UPHIN/2011/39718 (डिजिटल संस्करण) बुन्देलखण्ड का सबसे दबंग अखबार

संजय श्रीवास्तव
प्रधान सम्पादक
7905027565
9415055318

दैनिक
यंग भारत
निष्पक्ष नज़र निर्भीक खबर
Digital Edition

यंग भारत
वेब न्यूज

सहयोगी प्रकाशन/प्रसारण
दैनिक वास्तविक समाज बाद-लखनऊ
प्रमुख उर्दू दैनिक तामीरे नौ -लखनऊ

वर्ष-14 अंक-210 कीर्ति शेष रामेश्वर दयाल श्रीवास्तव (लम्बरदार) की स्मृति में उरई (जालौन) सोमवार 13 जुलाई 2026 youngbharatE-paper.com

हिंदुओं का सम्मान करिए'; सीएम योगी आदित्यनाथ ने कुशीनगर से विपक्ष पर बोला बड़ा हमला

(प्रधान सम्पादक)
(यंग भारत न्यूज)

कुशीनगर: उत्तर प्रदेश के राम मंदिर चंदा चोरी प्रकरण के सामने आने के बाद से लगातार विवाद गहराया हुआ है। विपक्ष लगातार सरकर पर हमलावर है। अब इस मामले को लेकर सीएम योगी आदित्यनाथ विपक्ष पर पलटवार करते दिख रहे हैं। दरअसल, समाजवादी पार्टी और अन्य विपक्षी दलों ने राम मंदिर के मसले पर सरकार और भारतीय जनता पार्टी को घेरने की कोशिश की है। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव पिछले दिनों सॉफ्ट हिंदुत्व की राजनीति करते दिख रहे हैं। ऐसे में सीएम योगी आदित्यनाथ पूरी तरह से हिंदुत्व के एजेंडे के साथ प्रदेश के राजनीतिक मैदान में उतरते दिख रहे हैं। कुशीनगर की जनसभा से भी उन्होंने हिंदुओं का सम्मान करने की बात कह कर विपक्ष पर बड़ा हमला बोला। इसके जरिए विपक्ष पर उन्होंने एक प्रकार से हिंदुओं की अनदेखी का आरोप लगा दिया।

सीएम योगी ने कुशीगनर में विकास योजनाओं के शिलान्यास-उद्घाटन के बाद आयोजित जनसभा में हिंदुओं का मुद्दा छेड़ा। सीएम ने कहा कि मेरा मानना है हर व्यक्ति को उसकी उपासना विधि में पूरी स्वतंत्रता होनी चाहिए। आप हिंदुओं का सम्मान करिए। आज हिंदू परिवार शांतिपूर्ण तरीके से अपने सभी त्यौहार मना रहा है। मुसलमान भी अपने परिवार के साथ शांतिपूर्ण तरीके से जीवन जी रहा है। जब समाज में शांति रहती है तो फिर विकास के बारे में लोग सोचते हैं। एक सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ते हैं। सीएम ने कहा कि पहले क्या होता था? समाजवादी पार्टी की सरकार के माहौल इतना खराब था। दुर्गा पूजा के समय लोग दुर्गा पूजा नहीं करने देते थे। जन्माष्टमी, होली जैसे त्यौहार नहीं मनाने नहीं देते थे। मंदिरों के नाम पर आने वाले पैसे को हजम कर जाते थे। आज हमारे हर विधायक ने अपने विधानसभा में 8 से 10 मंदिरों का सुंदरीकरण कार्य संपन्न कराया है। यह कार्य पहले भी हो सकता था, लेकिन उनकी मंशा ही नहीं थी सीएम योगी ने सपा पर बड़ा हमला बोला। उन्होंने कहा कि जिन्हें करना था, वे अपना, परिवार का विकास करने में लगे रहे। वे गरीबों को जमीन का कागज, आवाज की सुविधा नहीं दे पाए। राशन की सुविधा नहीं दे सके। जो नौजवान का रोजगार छीनने का पाप करते थे, वे लोग अयोध्या, मथुरा और काशी के बारे में कैसे सोच सकते थे। सीएम ने कहा कि ये लोग मंदिरों पर कब्जा करवाते थे। अब उन मंदिरों का पुनरुद्धार हो रहा है। पहले मंदिरों के नाम पर आने वाला पैसा कब्रिस्तान की बाउंड्री वालों के नाम पर खर्च हो जाता था। यही समाजवादी पार्टी करती थी। सीएम योगी ने कहा कि पिछले सरकारों ने रुचि ली होती तो कुशीनगर का नौजवान प्लान नहीं करता। कुशीनगर का नौजवान जब सरकारी नौकरी का नियुक्ति पत्र प्राप्त करता है, तो मुझे खुशी होती है। सीएम ने कहा कि अब निवेश केवल नोएडा, गाजियाबाद में नहीं होता, कुशीनगर में भी होता है। गोरखपुर में भी होता है। सीएम ने कहा कि 2017 के पहले न नीयत थी और न तत्कालीन सरकार की कोई नीति थी। सरकार जब स्वयं पॉलिसी पैरालिसिस का शिकार हो तो पॉलिसी कैसे बनाएगी।

यूपी में 'ग्राम प्रधानों' के लिए बड़ा अपडेट

(यंग भारत न्यूज)

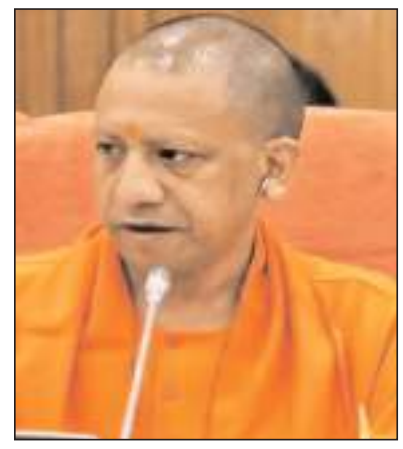

उत्तर प्रदेश में ग्राम पंचायतों के प्रशासन को लेकर चल रहे एक महत्वपूर्ण मामले पर इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ खंडपीठ ने राज्य सरकार से जवाब तलब किया है। यह मामला उन ग्राम प्रधानों से जुड़ा है जिन्हें ग्राम पंचायतों का कार्यकाल समाप्त होने के बाद प्रशासक के रूप में जिम्मेदारी सौंपी गई थी।

अदालत ने इस व्यवस्था के कानूनी आधार और संवैधानिक पहलुओं पर सरकार से विस्तृत पक्ष रखने को कहा है। मामले की सुनवाई के दौरान अदालत ने यह भी जानना चाहा कि पंचायत चुनाव कराने की दिशा में आवश्यक प्रक्रिया कितनी आगे बढ़ी है। विशेष रूप से उत्तर प्रदेश पिछड़ा वर्ग आयोग की रिपोर्ट की वर्तमान स्थिति पर भी सरकार से जानकारी मांगी गई है। अब इस मामले की अगली सुनवाई 4 अगस्त को निर्धारित की गई है। जनहित याचिका में उत्तर प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1947 की धारा 12(3-क) की संवैधानिक वैधता को चुनौती दी गई है। याचिकाकर्ता का कहना है कि इस प्रावधान के आधार पर सरकार ने ग्राम पंचायतों का पांच वर्षीय कार्यकाल समाप्त होने के बाद भी निवर्तमान ग्राम प्रधानों को प्रशासक नियुक्त कर दिया, जिससे वे पंचायतों का कामकाज संभालते रहे। याचिका में दलील दी गई है कि यह व्यवस्था संविधान की भावना के अनुरूप नहीं है और पंचायतों के लोकतांत्रिक ढांचे पर भी सवाल खड़े करती है। याचिकाकर्ता ने अदालत से उस सरकारी आदेश को भी निरस्त करने की मांग की है, जिसके तहत प्रदेशभर में कार्यकाल समाप्त होने के बाद पूर्व ग्राम प्रधानों को प्रशासक का दायित्व दिया गया था। उनका तर्क है कि कार्यकाल समाप्त होने के बाद नई व्यवस्था लोकतांत्रिक प्रक्रिया के अनुरूप लागू होनी चाहिए। सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता की ओर से हाईकोर्ट के एक पुराने फैसले का उल्लेख किया गया। दलील दी गई कि वर्ष 2000 में इसी तरह के एक प्रावधान को अदालत पहले भी असंवैधानिक मान चुकी है। बाद में यह मामला सुप्रीम कोर्ट तक पहुंचा, लेकिन वहां संवैधानिक वैधता का अंतिम निर्णय देने के बजाय इस प्रश्न को दोबारा हाईकोर्ट के विचार के लिए खुला छोड़ दिया गया था। राज्य सरकार की ओर से अदालत में कहा गया कि इस विषय पर निर्णय लेने का अधिकार वर्तमान पीठ के पास है और मामले को किसी बड़ी पीठ के पास भेजने की आवश्यकता नहीं है। सरकार ने संकेत दिया कि वह अपने पक्ष में विस्तृत जवाब अदालत के समक्ष प्रस्तुत करेगी। अब इस पूरे मामले पर अगली सुनवाई 4 अगस्त को होगी। अदालत में सरकार का जवाब आने के बाद यह तय होगा कि संबंधित प्रावधान और उसके आधार पर जारी प्रशासनिक व्यवस्था को लेकर आगे क्या दिशा तय होती है। इस फैसले का असर प्रदेश की ग्राम पंचायतों की प्रशासनिक व्यवस्था और भविष्य में होने वाले पंचायत चुनावों की प्रक्रिया पर भी पड़ सकता है।

यूपी में आज होगा हरियाली का महाअभियान, लगाए जाएंगे 35 करोड़ पौधे; गोरखपुर में मौजूद रहेंगे सीएम योगी

(यंग भारत न्यूज)

लखनऊ। प्रदेश में रविवार को पर्यावरण संरक्षण के लिए अब तक का सबसे बड़ा पौधारोपण अभियान चलाया जाएगा।' 'एक पेड़ मां के नाम'' अभियान के तहत पूरे प्रदेश में एक ही दिन में 35 करोड़ से अधिक पौधे लगाने का लक्ष्य रखा गया है। सरकार का कहना है कि यह अभियान केवल पौधारोपण तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि इसे जनभागीदारी के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण और जलवायु परिवर्तन से मुकाबले का व्यापक अभियान बनाया जाएगा। राज्यपाल आनंदीबेन पटेल लखनऊ स्थित जनभवन में पौधारोपण करेंगी, जबकि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ गोरखपुर के सहजनवा क्षेत्र में लिंक एक्सप्रेसवे के किनारे पौधा लगाएंगे। उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य झांसी और उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक लखनऊ में अभियान का नेतृत्व करेंगे। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी भी लखनऊ विश्वविद्यालय में पौधारोपण करेंगे। प्रदेश सरकार के सभी मंत्रियों को अलग-अलग जिलों की जिम्मेदारी सौंपी गई है। सुबह सात बजे से शाम छह बजे तक चलने वाले इस महाअभियान में वन विभाग के अलावा 26 अन्य सरकारी विभाग भी शामिल होंगे। पौधारोपण के लिए पीपल, बरगद, पाकड़, गूलर, नीम, शीशम, जामुन, महुआ, आम, इमली, सहजन, गुलमोहर सहित स्थानीय जलवायु के अनुकूल फलदार, छायादार और पर्यावरण की दृष्टि से महत्वपूर्ण प्रजातियों का चयन किया गया है। वन विभाग के माध्यम से चल रहे पौधारोपण अभियान को साफ्टवेयर पर आनलाइन अपलोड भी किया जाएगा।

ईंट-पत्थर से मारा, शॉवर से पीटा... मरने से पहले प्रीति मेहंदी से हाथ-पैर पर लिख गई ससुरालियों की हैवानियत!

(यंग भारत न्यूज)

मध्यप्रदेश के छिंदवाड़ा जिले से एक दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है. यहां एक विवाहिता ने मौत को गले लगाने से पहले अपने हाथ-पैर को ही सुसाइड नोट बना लिया. युवती ने मरने से पहले अपने दोनों हाथों और पैरों पर मेहंदी से अपनी प्रताड़ना की दास्तां लिखी.

इस चौंका देने वाले मंजर को जिसने भी देखा उसकी रूह कांप गई. फिलहाल, पुलिस ने जांच शुरू कर दी है. मृतिका की पहचान प्रीति जाधेला के रूप में हुई है. प्रीति ने घर में रखी जहरीली दवा खा ली थी. हालत बिगड़ने पर उसे तुरंत जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया. यहां दो दिन तक डॉक्टरों ने उसे बचाने की कोशिश की, लेकिन उपचार के दौरान उसने दम तोड़ दिया. युवती का विवाह चौरई के चन्हिया खुर्द गांव में हुआ था. खुदकुशी करने से पहले प्रीति ने एक अनोखा, लेकिन दर्दनाक रास्ता चुना. उसने अपने हाथ और पैरों पर मेहंदी से सुसाइड नोट लिखा. इस नोट में उसने स्पष्ट रूप से ससुराल पक्ष द्वारा की जा रही मारपीट और मानसिक प्रताड़ना का जिक्र किया है. जिला अस्पताल में डॉक्टरों की टीम ने महिला का पोस्टमार्टम किया है. मृतिका की मां राजकुमारी जांगेला (वर्मा) ने अपनी बेटी के ससुराल वालों पर रोंगटे खड़े कर देने वाले आरोप लगाए हैं. मां ने बताया कि प्रीति की छोटी बेटी ने उसे मां की मौत की खबर दी. जब वे वहां पहुंचे, तो प्रीति की हालत बहुत गंभीर थी. मां के अनुसार, प्रीति ने मरने से पहले बताया था कि उसे बहुत बेरहमी से मारा गया है. उसे ईंटों और पत्थरों से पीटा गया. पति ने उसे शावर (पाइप या रॉड जैसी वस्तु) से भी मारा, जिसके निशान उसकी पीठ पर मौजूद थे. आरोप है कि उसे जबरदस्ती पकड़कर जहरीली दवा पिलाई गई. राजकुमारी ने बताया कि उसका दामाद अक्सर शराब पीकर प्रीति के साथ झगड़ा करता था. वह सवेरे से ही शराब पीना शुरू कर देता था और प्रीति से पैसों की मांग करता था. मना करने पर वह प्रीति को हजारों बार मार चुका था. प्रीति की शादी को 13 साल हो गए थे. लेकिन, दामाद का रवैया बदलने का नाम नहीं ले रहा था. प्रताड़ना से तंग आकर प्रीति करीब एक साल से अपनी मां के पास बंडोल में रह रही थी. मां ही उसे राशन और रहने का सारा सामान देती थी. करीब 15-20 दिन पहले उसका पति उसे जबरदस्ती यह कहकर गांव ले गया कि उसने नया मकान बना लिया है. मां ने बेटी का घर बसने की उम्मीद में उसे सारा सामान देकर विदा किया था, लेकिन वहां फिर से हिंसा शुरू हो गई. इस घटना के बाद से मृतिका के मायके पक्ष में भारी आक्रोश है. पीड़ित मां ने पुलिस से निष्पक्ष जांच और दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग की है. फिलहाल, पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और हर पहलू से जांच कर रही है.

घाट बन्द हुए तो क्या ! डंप से मौरंग ले जाने वाले ट्रैकों, स्कूली बसों और व्यवसायिक वाहनों से दम से वसूली कर रहे हैं एआरटीओ और उनके स्टाफ

जिले में परिवहन विभाग पर अवैध वसूली के गंभीर आरोप, ओवरलोड ट्रकों से लेकर लाइसेंस तक की वसूली की 'रेट लिस्ट' होने का दावा

संजय श्रीवास्तव
प्रधान सम्पादक

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन)। जनपद जालौन में परिवहन विभाग एक बार फिर गंभीर आरोपों के घेरे में है। विभागीय सूत्रों के हवाले से दावा किया जा रहा है कि एआरटीओ प्रवर्तन (सचल दल) की निगरानी में अवैध रूप से संचालित ओवरलोड ट्रकों, विशेषकर बालू डंप से निकलने वाले वाहनों से नियमित रूप से अवैध वसूली की जा रही है। आरोप है कि बिना किसी प्रभावी कार्रवाई के ऐसे वाहनों को निर्धारित रकम लेकर जिले की सीमाओं से गुजरने दिया जाता है, जिससे सरकारी राजस्व को नुकसान पहुंचने के साथ-साथ सड़क सुरक्षा भी प्रभावित हो रही है।

सूत्रों का दावा है कि बालू से लदे ओवरलोड ट्रकों के अलावा स्कूल बसों, लग्जरी बसों, व्यावसायिक वाहनों और अन्य परिवहन साधनों से भी विभिन्न स्तरों पर कथित रूप से अवैध वसूली की जाती है। आरोपों के अनुसार विभाग के अलग-अलग अधिकारियों तक हर माह लाखों रुपये की रकम पहुंचती है। हालांकि इन दावों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हो सकी है। विभागीय सूत्रों के अनुसार कथित अवैध वसूली का मासिक आंकड़ा चौंकाने वाला बताया जा रहा है। दावा है कि एआरटीओ स्तर पर 35 से 40 लाख रुपये, दूसरे एआरटीओ स्तर पर 25 से 30 लाख रुपये तथा आरआई स्तर पर 20 से 25 लाख रुपये प्रतिमाह तक की अवैध कमाई होती है। यदि इन दावों में सच्चाई है तो यह पूरे परिवहन तंत्र की कार्यप्रणाली पर गंभीर प्रश्नचिह्न खड़ा करता है। आरोप यह भी हैं कि परिवहन विभाग के कार्यालय में विभिन्न सेवाओं के लिए भी कथित तौर पर सुविधा शुल्क तय है। सूत्रों के अनुसार ड्राइविंग लाइसेंस बनवाने के नाम पर 2000 से 3000 रुपये, परमिट जारी कराने के लिए 5000 से 10000 रुपये, वाहन फिटनेस के लिए 3000 से 4000 रुपये, वाहन पंजीकरण में प्रति फाइल 300 से 400 रुपये, वाहन ट्रांसफर के लिए 2000 से 3000 रुपये तथा वाहन स्वामी के उपस्थित न होने पर 5000 रुपये तक लिए जाने के आरोप लगाए जा रहे हैं। इसके अलावा वाहन के पुन: पंजीकरण के लिए 2500 रुपये तथा एनओसी जारी करने के लिए 3000 से 4000 रुपये तक की कथित मांग किए जाने की भी चर्चा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि कोई वाहन स्वामी निर्धारित प्रक्रिया के तहत बिना किसी अतिरिक्त भुगतान के कार्य कराना चाहता है तो उसे अनावश्यक आपत्तियों और देरी का सामना करना पड़ता है। आरोप है कि इसी कारण अधिकांश लोग मजबूरी में कथित सुविधा शुल्क देने को विवश हो जाते हैं। ओवरलोड वाहनों के संचालन को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं। नियमों के अनुसार ओवरलोड वाहनों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होनी चाहिए, लेकिन आरोप है कि कार्रवाई केवल चुनिंदा वाहनों तक सीमित रहती है, जबकि कथित रूप से अवैध वसूली देने वाले वाहन बिना रोक-टोक गुजर जाते हैं। इससे सड़कें तेजी से क्षतिग्रस्त होती हैं और दुर्घटनाओं का खतरा भी बढ़ता है। प्रदेश सरकार लगातार भ्रष्टाचार मुक्त शासन और पारदर्शी प्रशासन का दावा करती रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी समय-समय पर भ्रष्टाचार के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाने की बात कहते रहे हैं। ऐसे में जालौन परिवहन विभाग पर लगे ये आरोप सरकार के दावों पर भी सवाल खड़े कर रहे हैं। यदि आरोप सही पाए जाते हैं तो यह न केवल विभागीय कार्यप्रणाली बल्कि निगरानी व्यवस्था की भी बड़ी विफलता मानी जाएगी। जनपद के सामाजिक संगठनों और वाहन संचालकों ने पूरे मामले की उच्चस्तरीय एवं निष्पक्ष जांच कराने की मांग की है। लोगों का कहना है कि यदि विभागीय रिकॉर्ड, सीसीटीवी फुटेज, वाहनों की जांच रिपोर्ट तथा अधिकारियों की कार्यप्रणाली की निष्पक्ष जांच कराई जाए तो पूरे मामले की वास्तविकता सामने आ सकती है। साथ ही दोषी पाए जाने वाले अधिकारियों एवं कर्मचारियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जानी चाहिए ताकि आम जनता का विश्वास शासन-प्रशासन में बना रहे।

कार्यालय में भी बिना दलालों के नहीं होता कोई भी काम

- बालू डंप से निकलने वाले ओवरलोड ट्रकों से लाखों रुपये की अवैध वसूली का आरोप
- ड्राइविंग लाइसेंस, फिटनेस, परमिट, एनओसी और वाहन ट्रांसफर में भी सुविधा शुल्क लेने के दावे
- सरकार के भ्रष्टाचार मुक्त प्रशासन के दावों की परिवहन विभाग के अधिकारी व कर्मचारी खुल कर उड़ा रहे धज्जियां

सरावन और बदनपुरा में एआईएमआईएम का जनसंपर्क अभियान, दर्जनों लोगों ने ग्रहण की पार्टी की सदस्यता

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन)। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) ने रविवार को माधौगढ़ विधानसभा क्षेत्र के ग्राम सरावन और ग्राम बदनपुरा में व्यापक जनसंपर्क अभियान चलाकर संगठन विस्तार का प्रयास किया। पार्टी के जिलाध्यक्ष रईस मलिक के नेतृत्व में आयोजित कार्यक्रमों के दौरान दोनों गांवों में बड़ी संख्या में लोगों ने एआईएमआईएम की सदस्यता ग्रहण की।

पार्टी के अनुसार, ग्राम सरावन में जनसंपर्क के दौरान लोगों को एआईएमआईएम की नीतियों और विचारधारा से अवगत कराया गया। इसके बाद करीब चार दर्जन लोगों ने जिलाध्यक्ष रईस मलिक की मौजूदगी में पार्टी की सदस्यता ली। सदस्यता ग्रहण करने वालों में खलील खान, नासिर खान, अय्यूब खान, शमसाद खान, अख्तर शाह, याकूब खान, इकरार खान, हमीद खान, सोहेल खान, कल्लू शेख, जाकिर खान, मुहम्मद कय्यूम शाह, जुनैद खान, अरशद खान, अजहरुद्दीन खान, जाविद खान, रिजवान खान, रिहान खान, असलम खान, अरबाज खान, फरहान खान, उस्मान भाई, मुस्लिम शाह, सरताज खान, दानिश शेख, मुहम्मद तौकीर खान, सद्दाम खान, इकबाल मंसूरी सहित अन्य लोग शामिल रहे। इसके बाद पार्टी पदाधिकारी ग्राम बदनपुरा पहुंचे, जहां मस्जिद के निकट आयोजित बैठक में जिलाध्यक्ष रईस मलिक, जिला उपाध्यक्ष अब्दुल रसीद चिश्ती, उरई-जालौन विधानसभा अध्यक्ष सलीम मंसूरी तथा वरिष्ठ नेता तारिक अनवर रहमानी ने संगठन की नीतियों और राजनीतिक भागीदारी के महत्व पर अपने विचार रखे। पार्टी के अनुसार, बैठक से प्रभावित होकर करीब दो दर्जन लोगों ने एआईएमआईएम की सदस्यता ग्रहण की। इनमें हाफिज शकील अख्तर, हाजी मुहम्मद इरशाद, अमानत हुसैन, मोनिस कुरैशी, मखदूम निजामी, अब्बास कुरैशी, मुहम्मद जफर कुरैशी, मुहम्मद जमील कुरैशी, मुहम्मद सत्तार कुरैशी, अहमद रसूल, मकबूल कुरैशी, मुहम्मद इलियास कुरैशी, सिराज कुरैशी, रईसउद्दीन कुरैशी, कफील कुरैशी, शहीद खान, रसूल खान, ताहिर खान, रमजान अख्तर, शेख मुहम्मद, इस्माईल खान और लल्लू खान शामिल रहे। सदस्यता ग्रहण करने वाले सभी लोगों ने पार्टी संगठन को मजबूत करने और सक्रिय रूप से कार्य करने का संकल्प लिया। जिलाध्यक्ष रईस मलिक ने नए सदस्यों का स्वागत करते हुए कहा कि पार्टी गांव-गांव तक अपनी पहुंच बढ़ाने और समाज के विभिन्न वर्गों को जोड़ने का कार्य कर रही है। उन्होंने सरावन में कार्यक्रम के आयोजक इसरार पठान तथा बदनपुरा में आयोजक उस्मान कुरैशी का आभार भी व्यक्त किया। इस अवसर पर वरिष्ठ नेता सल्ले अला मंसूरी, जिला महासचिव सबूर बेग, विधानसभा अध्यक्ष सलीम मंसूरी, वरिष्ठ नेता तारिक अनवर रहमानी, जिला उपाध्यक्ष अब्दुल रसीद अली चिश्ती सहित अन्य पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे। कार्यक्रम के दौरान पार्टी नेताओं ने दावा किया कि संगठन को ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में लगातार समर्थन मिल रहा है तथा आगामी चुनावों में राजनीतिक भागीदारी और हिस्सेदारी को लेकर लोगों में सकारात्मक माहौल बन रहा है।

- जिलाध्यक्ष रईस मलिक के नेतृत्व में गांव-गांव पहुंची एआईएमआईएम की टीम
- सरावन में करीब चार दर्जन और बदनपुरा में दो दर्जन लोगों ने थामा पार्टी का दामन
- पदाधिकारियों ने संगठन विस्तार और राजनीतिक भागीदारी पर दिया जोर

चोरो ने किराने की दुकान का ताला तोड़कर हजारो का माल पार किया

पीड़ित दुकानदार ने पुलिस से शिकायत की

(यंग भारत न्यूज)

कोंच कोतवाली क्षेत्र के ग्राम भदेवरा में शनिवार देर रात अज्ञात चोरों ने एक किराना दुकान को निशाना बनाते हुए दुकान मे रखा करीब 15 हजार रुपये कीमत का सामान चोरी कर लिया। घटना के बाद रविवार सुबह 11 बजे दुकानदार ने पुलिस को सूचना देकर कार्रवाई की मांग की है। जानकारी के अनुसार खेडा चौकी क्षेत्र के ग्राम भदेवरा निवासी सुरेन्द्र कुमार पुत्र दशरथ सिंह शनिवार रात रोज की तरह अपनी दुकान बंद कर घर चले गए थे। रविवार सुबह जब वह दुकान पर पहुंचे तो देखा कि के ताले टूटे थे उसमे रखा सामान अस्त व्यस्त पडा था। दुकान के अंदर रखा गुटखा, दवाई सहित अन्य सामान गायब मिला। पीड़ित के अपने शिकायती पत्र में बताया कि चोर लगभग 15 हजार रुपये की कीमत का सामान ले गए। घटना की जानकारी मिलते ही पीड़ित ने डायल 112 पर सूचना दी, जिसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। दुकानदार ने आसपास काफी तलाश और पूछंताछ की, लेकिन चोरों का कोई सुराग नहीं मिल सका। पीड़ित सुरेन्द्र कुमार ने कोतवाली में प्रार्थना पत्र देकर मामले की जांच कराने, चोरी का खुलासा करने तथा आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी की मांग की है।

कोतवाल बोले-इस संबंध में कोतवाली प्रभारी निरीक्षक बृजेश बहादुर सिंह का कहना है कि शिकायत के आधार पर मामले की जांच की जा रही है और आसपास के लोगों से पूछंताछ कर चोरों की पहचान करने का प्रयास किया जा रहा है।

आमने सामने बाइक की टक्कर में पिता-पुत्र घायल

(यंग भारत न्यूज)

कोंच कोतवाली क्षेत्र के कोंच-महेशपुरा मार्ग पर शनिवार शाम एक सड़क हादसे में पिता-पुत्र घायल हो गए। आरोप है कि शराब के नशे में धुत एक तेज रफ्तार बाइक सवार ने सामने से आ रही मोटरसाइकिल में टक्कर मार दी, जिससे दोनों सड़क पर गिरकर घायल हो गए। जानकारी के अनुसार ग्राम कुदरा बुजुर्ग निवासी अजय उम्र 22 वर्ष पुत्र दयाराम अपने पिता दयाराम उम्र 70 वर्ष पुत्र मगनलाल को इलाज के लिए मोटरसाइकिल से कोंच लेकर आ रहे थे। जब वे लेबर पुलिया के पास स्थित शराब के ठेके के सामने पहुंचे, तभी सामने से आ रहे एक कथित नशे में धुत बाइक सवार ने उनकी बाइक में सीधी टक्कर मार दी। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक टक्कर इतनी जोरदार थी कि दोनों बाइक सवार सड़क पर गिर पड़े और गंभीर चोटें आईं। हादसे के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। स्थानीय लोगों ने तत्काल दोनों घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने उनका उपचार किया।घटना की सूचना पुलिस को दी गयी। फिलहाल घायलों का उपचार जारी है। हादसे ने एक बार फिर नशे की हालत में वाहन चलाने की गंभीर समस्या को उजागर किया है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से शराब पीकर वाहन चलाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई और नियमित जांच अभियान चलाने की मांग की है, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं पर विराम लग सके।

नाबालिग किशोरी ने पडोसी युवक पर कपड़ा फाडने व छेडछाड का लगाया आरोप

(यंग भारत न्यूज)

कोंच कोतवाली क्षेत्र की रहने वाली 13 वर्षीय नाबालिक लड़की ने पड़ोसी युवक पर छेड़खानी और कपड़े फाड़ने का आरोप लगाते हुए पुलिस से शिकायत कर कार्रवाई की मांग की है, वही शिकायत के आधार पर पुलिस ने आरोपी युवक को हिरासत में लेकर जांच शुरू कर दी है।जानकारी के अनुसार कोतवाली क्षेत्र की रहने वाली 13 वर्षीय नाबालिक लड़की ने पुलिस को शिकायती पत्र देते हुए बताया कि वह अपने घर पर सो रही थी तभी मध्य रात्रि पड़ोसी युवक जबरन घर में घुस आया और मेरे शरीर पर हाथ फेरने लगा। वही जब वह चिल्लाई तो मेरे कपड़े फाड़ का निर्वस्त्र कर दिया। इसी दौरान मेरी मां आ गई तो युवक गाली गलौज कर और चाकू दिखाकर जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से भाग गया।पीडिता ने बताया की तत्काल डायल 112 पुलिस को सूचना दी तो पुलिस युवक को पकड़कर थाने ले आई है। फिलहाल हिरासत में लिए गए युवक से पुलिस पूछंताछ कर रही है।

एक पेड मां के नाम अभियान के तहत एसडीएम, सीओ, कोतवाल ने रोपे कार्यालय सहित आवास में पौधे

(यंग भारत न्यूज)

कोंच एक पेड मां के नाम अभियान के तहत पर्यावरण संरक्षण और हरियाली बढ़ाने के उद्देश्य से रविवार सुबह कोतवाली परिसर, एसडीएम आवास, सीओ आवास तथा क्षेत्र की सभी पुलिस चौकियों पर विशेष वृक्षारोपण अभियान चलाया गया। अभियान के तहत अधिकारियों और पुलिस कर्मियों ने पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया तथा लोगों से अधिक से अधिक पेड़ लगाने की अपील की।

कोतवाली परिसर में आयोजित कार्यक्रम में उपजिलाधिकारी हेमंत पटेल, क्षेत्राधिकारी परमेश्वर प्रसाद तथा कोतवाली प्रभारी निरीक्षक बृजेश बहादुर सिंह ने पौधे रोपकर अभियान का शुभारंभ किया। एसड़ीएम हेमंत पटेल व सीओ परमेश्वर प्रसाद,कोतवाल बृजेश बहादुर सिंह ने कहा कि पेड़ हमारे जीवन का आधार हैं और पर्यावरण संतुलन बनाए रखने के लिए प्रत्येक व्यक्ति को अपने जीवन में कम से कम एक पौधा अवश्य लगाना चाहिए। उन्होंने कहा कि पौधे लगाना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि उनकी नियमित देखभाल और संरक्षण भी उतना ही आवश्यक है।उन्होने कहा अबोध बालक की तरह पौधे की नियमित देखभाल जव तक करना चाहिए तव तक वह पूरी तरह से परिपक्व न हो जाए।अभियान के दौरान पुलिस विभाग की ओर से लोगों को पौधे वितरित किए गए और उनसे अपने घरों, विद्यालयों, सार्वजनिक स्थलों एवं खाली भूमि पर पौधे लगाकर उन्हें संरक्षित करने का आग्रह किया गया।अधिकारियों ने कहा कि बढ़ती गर्मी, प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन जैसी चुनौतियों से निपटने के लिए व्यापक स्तर पर वृक्षारोपण समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है।इस अवसर पर क्राइम इंस्पेक्टर अरुण कुमार, उपनिरीक्षक अशोक कुमार, सागर चौकी प्रभारी सुमित पांडेय,उपनिरीक्षक शुभम परमार,खेड़ा चौकी प्रभारी शिवनारायण, राहुल कुमार, अभिषेक भदौरिया सहित सीओ पेशी से राजा भइया,अभिनाश उत्तम, विनय राज,शैलेंद्र यादव, प्रीतिका उत्तम, सत्येंद्र सिंह, सतीश कुमार, उपेंद्र सिंह, राहुल कोहली,जगदीश शर्मा सहित बड़ी संख्या में पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। सभी ने पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लेते हुए अधिक से अधिक पौधे लगाने और उनकी देखभाल करने का संदेश दिया तथा कहा हरे भरे वृक्ष हमारी धरती मां का श्रृंगार है मां की सुन्दरता के लिए वृक्ष लगाए।

झांसी में 24 लाख 50 हजार की लूट के आरोपी पुलिस के तीन सिपाहियों को उरई पुलिस लाइन आकर झांसी की पुलिस ने दबोच लिया

(यंग भारत न्यूज)

जालौन। पुलिस विभाग से जुड़ी एक बड़ी खबर सामने आई है। 24 लाख 50 हजार रुपये की कथित लूट के मामले में जालौन पुलिस लाइन में तैनात तीन सिपाहियों को झांसी पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोप है कि तीनों सिपाहियों ने झांसी में तैनाती के दौरान इस वारदात को अंजाम दिया था। बताया जा रहा है कि गुजरात के सूरत निवासी एक व्यापारी की शिकायत पर मामला दर्ज किया गया था, जिसमें 24 लाख 50 हजार रुपये की लूट का आरोप लगाया गया। जांच के बाद झांसी पुलिस ने कार्रवाई करते हुए तीनों सिपाहियों को गिरफ्तार कर अपने साथ झांसी ले गई। इधर, मामले को गंभीरता से लेते हुए जालौन के पुलिस अधीक्षक विनय कुमार सिंह ने आरोपी सिपाहियों मनोज, राघवेंद्र और नीरज को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। फिलहाल पूरे मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई जारी है।

- वारदात झांसी में गुजरात के सूरत निवासी व्यापारी से की गई थी
- झांसी पुलिस की गिरफ्त में गये तीनों आरोपी सिपाहियों को जालौन के एसपी ने तत्काल प्रभाव से निलम्बित कर दिया है

धोखाधड़ी के मामले में पुलिस ने खाता धारक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू की

(यंग भारत न्यूज)

जालौन-उरई। नौकरी दिलाने के नाम पर व्हाट्सऐप के जरिए संपर्क कर लोगों से साइबर अपराधियों ने धोखाधड़ी की। ठगी की रकम को स्थानीय युवक के बैंक खाते में ट्रांसफर किया गया। धोखाधड़ी के मामले में पुलिस ने खाता धारक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

भारत सरकार के समन्वय प्रतिबिम्ब पोर्टल से प्राप्त सूचना के आधार पर एसआई शिवम सिंह सेंगर द्वारा मामले की जांच की गई। जिसमें महाराष्ट्र राज्य के भायंदर जिले में एक व्यक्ति को व्हाट्सएप पर जॉब का लालच देकर उससे रकम मंगवाई गई। जिसमें पहले संबंधित व्यक्ति से 15900 रुपये मंगवाए गए। इसके बाद जब दूसरी बार रुपये देने के लिए कहा गया। शक होने पर संबंधित व्यक्ति ने पुलिस में शिकायत दर्ज की। इसी तरह तेलांगना राज्य के हैदराबाद सिटी के फिल्मनगर थाने में शिकायत दर्ज की गई। जिसमें बताया गया कि व्हाट्सएप पर जॉब का लालच देकर उससे 10000 रुपये मंगवाए गए। इसी तरह 10000 रुपये का एक और लेन देन हुआ। पुलिस जांच में जिस खाते में रकम ट्रांसफर की गई वह कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला चिमनदुबे निवासी संदीप कुमार का था। इन मामलों में पीड़ितों से नौकरी, प्रीपेड टास्क और व्हाट्सऐप-टेलीग्राम लिंक के जरिए पैसे जमा कराए गए थे। पुलिस के अनुसार संदिग्ध खाते का उपयोग वित्तीय धोखाधड़ी, साइबर अपराध, नौकरी के नाम पर ठगी, लालच, फिशिंग और एपीके फाइल स्कैम जैसे मामलों में धन के आवागमन के लिए किया जा रहा था। कोतवाली प्रभारी हरिशंकर चंद ने बताया कि एसआई शिवम सिंह सेंगर की जांच के आधार पर संदीप कुमार के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है। मामले की जांच इंस्पेक्टर क्राइम विवेक कुमार मौर्य को सौंपी गई है। पुलिस ने बैंक को खाता फ्रीज कराने और आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

विशेष वृक्षारोपण अभियान के तहत भाजपा ने रोपे आधा दर्जन पोधे

विधायक एवं नगर अध्यक्ष ने विभिन्न स्थानो पर पौधे रोपकर हरा भरा किया

(यंग भारत न्यूज)

कोंच पर्यावरण संरक्षण और हरियाली बढ़ाने के उद्देश्य से भारतीय जनता पार्टी नगर इकाई द्वारा रविवार को विशेष वृक्षारोपण अभियान के अंतर्गत रामकिशुन बगिया स्थित अनंदेश्वर मंदिर में वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया।कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में विधायक मूलचंद्र निरंजन उपस्थित हुए।

कार्यक्रम के दौरान विधायक मूलचंद्र निरंजन, भाजपा नगर अध्यक्ष अंजू अग्रवाल तथा पार्टी के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने मिलकर आम और अमरूद के 7 पेड़ लगाए कार्यकर्ताओ ने नगर के विभिन्न स्थानो पर लगभग 50 फलदार पौधों का रोपण किया। इस अवसर पर विधायक ने कहा कि पेड़ केवल पर्यावरण को शुद्ध ही नहीं करते, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ और सुरक्षित भविष्य की नींव भी रखते हैं। उन्होंने सभी नागरिकों से अधिक से अधिक पौधे लगाने और उनकी देखभाल करने का आह्वान किया।भाजपा नगर अध्यक्ष अंजू अग्रवाल ने कहा कि पार्टी द्वारा लगातार पर्यावरण संरक्षण को लेकर जनजागरूकता अभियान चलाए जा रहे हैं। वृक्षारोपण केवल एक दिन का कार्यक्रम नहीं बल्कि इसे जनभागीदारी का अभियान बनाना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि लगाए गए पौधों की नियमित देखरेख भी सुनिश्चित की जाएगी ताकि वे भविष्य में बड़े वृक्ष बन सकें।कार्यक्रम के दौरान भाजपा कार्यकर्ताओं ने पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया और लोगों से भी अपने जीवन में कम से कम एक पौधा अवश्य लगाने की अपील की। पूरे आयोजन में उत्साह का माहौल रहा और कार्यकर्ताओं ने पौधों की सुरक्षा का भी संकल्प लिया।इस अवसर पर भाजपा के नगर कोषाध्यक्ष अनिल कपूर,राजेन्द्र दुबे,जिला मंत्री बाबूराम पाल, राजकुमार, परमसुख कुशवाहा, महेंद्र सोनी, रामजी भदौरिया, सौरभ पुरवार, सुभाष पहारिया, गौरव तिवारी, आनन्द अग्रवाल,विपिन पटेल,अंचल विलौया सहित अनेक पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं स्थानीय नागरिक मौजूद रहे। वृक्षारोपण अभियान के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए सभी ने हरियाली बढ़ाने में अपना योगदान देने का संकल्प दोहराया।

शाहजहांपुर में अनुरागिनी संस्था ने लगाया स्वास्थ्य शिविर एवं आयोजित की महिला चौपाल

(यंग भारत न्यूज)

कालपी जालौन 12 जुलाई। अनुरागिनी संस्था द्वारा जिला प्रशासन के सहयोग से विकास खंड महेवा के ग्राम शाहजहांपुर में स्वास्थ्य शिविर एवं महिला चौपाल का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य ग्रामीणों, विशेषकर महिलाओं को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना, स्वास्थ्य एवं पोषण के प्रति जागरूक करना तथा महिलाओं को उनके अधिकारों और सरकारी योजनाओं की जानकारी देना था। शिविर में 287 ग्रामीणों ने नि:शुल्क स्वास्थ्य परीक्षण कराया, जिनमें महिलाओं, पुरुषों, बुजुर्गों एवं बच्चों की बड़ी संख्या शामिल रही। परीक्षण के उपरांत चिकित्सकों द्वारा आवश्यक परामर्श दिया गया तथा जरूरतमंद मरीजों को नि:शुल्क दवाइयों का वितरण भी किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की सदस्या अनुपमा लोधी उपस्थित रहीं। उन्होंने कहा कि महिलाओं का स्वास्थ्य पूरे परिवार के स्वास्थ्य से जुड़ा होता है। यदि महिलाएं स्वस्थ और जागरूक होंगी तो समाज भी स्वस्थ एवं सशक्त बनेगा। उन्होंने महिलाओं से नियमित स्वास्थ्य जांच कराने, संतुलित आहार अपनाने, स्वच्छता बनाए रखने तथा सरकार द्वारा संचालित महिला एवं बाल कल्याण योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ उठाने का आह्वान किया अनुरागिनी संस्था के अध्यक्ष डॉ. प्रवीण सिंह जादौन ने कहा कि संस्था पिछले 30 वर्षों से ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य, शिक्षा, महिला सशक्तिकरण एवं सामाजिक विकास के क्षेत्र में निरंतर कार्य कर रही है उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य शिविरों के माध्यम से ग्रामीणों को विशेषज्ञ चिकित्सकीय सेवाएं उनके गांव में ही उपलब्ध हो जाती हैं, जिससे समय और धन दोनों की बचत होती है। उन्होंने कहा कि समय पर स्वास्थ्य परीक्षण कराने से गंभीर बीमारियों की पहचान प्रारंभिक अवस्था में हो जाती है और उनका उपचार भी समय रहते संभव हो पाता है। संस्था भविष्य में भी जिले के विभिन्न ग्रामीण क्षेत्रों में ऐसे जनकल्याणकारी कार्यक्रमों का आयोजन करती रहेगी।

स्वास्थ्य शिविर में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बाबई से डॉ. कल्पना, डॉ. अनीता शर्मा एवं डॉ. दूरवार,होम्योपैथिक अस्पताल कालपी से डॉ. नितेश सचान तथा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र चुरखी से आयुर्वेदिक एवं यूनानी चिकित्सक डॉ. अनीश,ने अपनी सेवाएं प्रदान कीं चिकित्सकों ने रक्तचाप, मधुमेह, सामान्य रोगों, महिलाओं एवं बुजुर्गों से संबंधित स्वास्थ्य समस्याओं की जांच कर आवश्यक चिकित्सकीय परामर्श दिया। स्वास्थ्य विभाग के स्टाफ अनिल कुमार, संतवीर, राजू पाल एवं विशाल भारती ने भी शिविर के संचालन में महत्वपूर्ण सहयोग प्रदान किया कार्यक्रम में जिला महिला थाना की उपनिरीक्षक रजनी ने महिलाओं को उनके कानूनी अधिकारों, महिला सुरक्षा, घरेलू हिंसा से संरक्षण, साइबर अपराधों से बचाव तथा महिला हेल्पलाइन 1090, आपातकालीन सेवा 112 एवं अन्य सरकारी सहायता सेवाओं की जानकारी दी। उन्होंने महिलाओं से किसी भी प्रकार के उत्पीड़न या हिंसा की स्थिति में बिना संकोच पुलिस एवं संबंधित विभागों से संपर्क करने का आह्वान किया तथा उन्हें जागरूक, आत्मनिर्भर एवं अपने अधिकारों के प्रति सजग रहने के लिए प्रेरित किया महिला चौपाल के दौरान महिलाओं को मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य, पोषण, एनीमिया की रोकथाम, मासिक धर्म स्वच्छता, परिवार कल्याण, टीकाकरण एवं स्वच्छ जीवनशैली के महत्व के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। साथ ही उन्हें शिक्षा, आत्मनिर्भरता तथा सामाजिक सहभागिता के लिए प्रेरित किया गया कार्यक्रम में जिला केंद्रीय उपभोक्ता भंडार के अध्यक्ष उपेन्द्र सिंह राजावत विशेष रूप से उपस्थित रहे। अनुरागिनी संस्था की ओर से कार्यक्रम संयोजक धर्मेन्द्र सिंह परमार, रविन्द्र सिंह परमार, श्याम करन प्रजापति एवं कार्यकर्ता अर्जुन द्विवेदी ने कार्यक्रम के सफल आयोजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इसके अतिरिक्त ग्राम पंचायत सचिव भगवती सोनी,आशा एवं मुख्य सेविका कंचन सिंह, ब्लॉक समन्वयक करण सिंह, आंगनवाड़ी कार्यकत्री सीमा दीक्षित, मिथिलेश, पुष्पा, सुनीता एवं निशा परवीन सहित अन्य आंगनवाड़ी कार्यकर्त्रियाँ,गोविंद सिंह एवं ब्रजभूषण सिंह सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन धर्मेंद्र बबेले ने किया अनुरागिनी संस्था के श्याम करन प्रजापति ने सभी चिकित्सकों, अतिथियों एवं सहयोगियों का आभार व्यक्त किया।

पंचनद धाम में पांच पवित्र नदियों की भव्य प्रतिमाओं का लोकार्पण, जल संरक्षण का लिया महा-संकल्प - स्वतंत्र देव सिंह

पंचनद की धरती से जल संरक्षण, नदी पुनर्जीवन और प्रकृति संरक्षण का दिया संदेश, 'हर घर जल-हर खेत को पानी' अभियान की उपलब्धियां गिनाईं

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन)। जनपद के ऐतिहासिक एवं पावन पंचनद धाम में प्रदेश के मा0 जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह जी ने पांच पवित्र नदियों यमुना, चंबल, सिंध, क्वारी एवं पहुज की भव्य प्रतिमाओं का लोकार्पण किया। इस अवसर पर उन्होंने पंचनद की पुण्यभूमि को नमन करते हुए कहा कि आज का दिन केवल प्रतिमाओं के अनावरण का नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति, सनातन परंपरा, प्रकृति के प्रति कृतज्ञता और जल संरक्षण के राष्ट्रीय संकल्प का ऐतिहासिक अवसर है। उन्होंने कहा कि प्रयागराज की त्रिवेणी की तरह पंचनद भी प्रकृति का अद्भुत चमत्कार है, जहां पांच पवित्र नदियां एक साथ मिलकर भारत की सांस्कृतिक एकता और आध्यात्मिक विरासत का अनुपम स्वरूप प्रस्तुत करती हैं। उन्होंने कहा कि सदियों से वेदों और पुराणों में जिन नदियों की महिमा का वर्णन किया गया, आज उनकी प्रतिमाओं की स्थापना जन-जन को जल और प्रकृति के प्रति अपने कर्तव्यों का स्मरण कराएगी। जल शक्ति मंत्री ने कहा कि भारत की संस्कृति में नदियों को कभी मात्र जलधारा नहीं माना गया, बल्कि उन्हें मां का स्वरूप दिया गया है। ऋग्वेद और अथर्ववेद का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि जल जीवन, आनंद और समस्त सृष्टि का आधार है तथा पृथ्वी हमारी माता है तो उसकी गोद में बहने वाली नदियां हमारी जीवनदायिनी माताएं हैं। गंगा ने हमें आध्यात्मिकता, यमुना ने भक्ति, सरस्वती ने ज्ञान, गोदावरी ने तपस्या और नर्मदा ने साधना का संदेश दिया है। पंचनद हमें विविधता में एकता का ऐसा संदेश देता है, जहां अलग-अलग दिशाओं से आने वाली नदियां अपनी पहचान खोए बिना एक बड़े उद्देश्य के लिए एक हो जाती हैं और यही भारत की सांस्कृतिक शक्ति है।उन्होंने कहा कि आज पूरी दुनिया जल संकट पर चिंतित है, लेकिन भारत हजारों वर्षों पुरानी उस परंपरा को पुनर्जीवित कर रहा है जिसमें जल को केवल संसाधन नहीं, बल्कि संस्कार माना गया है। यदि जल को उपभोग की वस्तु माना जाएगा तो संकट बढ़ेगा, लेकिन यदि उसे परिवार का सदस्य समझा जाएगा तो उसका संरक्षण स्वत: होगा। इसी सोच के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में कैच द रेन, जल शक्ति अभियान, अमृत सरोवर तथा जल जीवन मिशन जैसे अभियान देशभर में जनआंदोलन बने हैं। वहीं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश में जल संरक्षण को शासन की योजना नहीं, बल्कि जनभागीदारी का अभियान बनाया गया है, जिसका मूल संकल्प 'हर घर जल और हर खेत को पानी' है।

उन्होंने कहा कि एक समय था जब बुंदेलखंड की पहचान केवल सूखे और पेयजल संकट से होती थी, लेकिन आज तस्वीर पूरी तरह बदल चुकी है। लगभग 99.79 प्रतिशत ग्रामीण परिवारों तक नल से शुद्ध पेयजल पहुंच चुका है और बुंदेलखंड पूर्ण 'हर घर जल' की ओर अग्रसर है। जिन क्षेत्रों में कभी आर्सेनिक, फ्लोराइड, आयरन और नाइट्रेट जैसे तत्व लोगों के स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा बने हुए थे, वहां अब सतही जल आधारित पाइपलाइन नेटवर्क और आधुनिक जल शोधन संयंत्रों के माध्यम से सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराया जा रहा है। इससे जलजनित रोगों और दिमागी बुखार जैसी गंभीर समस्याओं में उल्लेखनीय कमी आई है। जल शक्ति मंत्री ने कहा कि सरकार के व्यापक जल संरक्षण प्रयासों के परिणामस्वरूप बुंदेलखंड के अनेक ब्लॉक, जो कभी डार्क जोन घोषित थे, अब सुरक्षित श्रेणी में लौट रहे हैं। मानसून के बाद भूजल स्तर में लगातार सुधार दर्ज किया जा रहा है तथा रिचार्ज संरचनाओं के कारण गर्मी के मौसम में भी कुओं और हैंडपंपों में पानी उपलब्ध रह रहा है। प्रदेश सरकार द्वारा 15 हजार से अधिक अमृत सरोवर विकसित किए गए हैं, जिनमें से 6200 से अधिक बुंदेलखंड के सात जिलों में निर्मित या पुनर्जीवित किए जा चुके हैं। इसके अतिरिक्त 5800 से अधिक चेकडैम बनाए गए हैं तथा सूक्ष्म सिंचाई प्रणाली के माध्यम से लगभग ढाई लाख हेक्टेयर कृषि भूमि को ड्रिप एवं स्प्रिंकलर सिंचाई से जोड़ा गया है, जिससे जल की 40 से 50 प्रतिशत तक बचत हो रही है।उन्होंने कहा कि पंचनद क्षेत्र केवल धार्मिक आस्था का केंद्र ही नहीं, बल्कि जैव विविधता की दृष्टि से भी अत्यंत समृद्ध है। यहां चंबल और सिंध नदियों का स्वच्छ जल दुर्लभ गंगा डॉल्फिन और घड़ियाल जैसे वन्य जीवों का सुरक्षित आवास है। उन्होंने उपस्थित लोगों से आह्वान किया कि सभी लोग नदियों को प्रदूषण से मुक्त रखने, जल की प्रत्येक बूंद को प्रसाद समझकर बचाने तथा वृक्षारोपण और जल संरक्षण को अपने जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाने का संकल्प लें। यही इन पवित्र नदियों की सच्ची पूजा और सनातन संस्कृति के प्रति वास्तविक श्रद्धा होगी। जल शक्ति मंत्री ने उत्तर प्रदेश सरकार की उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश की 64 छोटी-बड़ी नदियों का सफल पुनर्जीवन किया जा चुका है तथा वर्षों से विलुप्त हो चुकी 110 नहरों को पुनर्जीवित किया गया है। 'एक जनपद-एक नदी' अभियान के माध्यम से प्रत्येक जिले में एक विलुप्त या प्रदूषित नदी को पुनर्जीवित करने का कार्य आधुनिक तकनीकों, रिमोट सेंसिंग, जीआईएस, ड्रोन मैपिंग तथा आईआईटी कानपुर, बीएचयू और रुड़की जैसे संस्थानों के वैज्ञानिक सहयोग से किया जा रहा है। कानपुर की नून नदी, पीलीभीत की गोमती, बुलंदशहर की नीम नदी, संभल की सोत नदी, रामपुर की मौसमी नदियों, बिजनौर की मालिन तथा श्रावस्ती की बूढ़ी राप्ती सहित अनेक नदियों के पुनर्जीवन से सकारात्मक परिणाम सामने आए हैं। उन्होंने बताया कि नमामि गंगे अभियान के अंतर्गत प्रदेश में 152 सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट संचालित हैं, 6627 से अधिक चेकडैम बनाए गए हैं, 1417 से अधिक तालाबों का निर्माण कराया गया है तथा 34 हजार से अधिक सरकारी भवनों पर रूफटॉप रेन वाटर हार्वेस्टिंग प्रणाली स्थापित की जा चुकी है। पिछले वर्षों में 29 जनपदों में भूजल स्तर में उल्लेखनीय सुधार दर्ज किया गया है। वर्ष 2017 के बाद सिंचाई क्षमता 82 लाख हेक्टेयर से बढ़कर 105 लाख हेक्टेयर तक पहुंची है। प्रदेश में 3869 किलोमीटर लंबे 523 तटबंधों के माध्यम से लाखों हेक्टेयर भूमि को बाढ़ से सुरक्षा प्रदान की जा रही है। औद्योगिक प्रदूषण नियंत्रण हेतु विभिन्न परियोजनाओं पर तेजी से कार्य किया जा रहा है तथा राष्ट्रीय नदी डॉल्फिन रिपोर्ट के अनुसार उत्तर प्रदेश में सर्वाधिक 2397 डॉल्फिन दर्ज होना इस बात का प्रमाण है कि प्रदेश की नदियों का इकोसिस्टम लगातार बेहतर हो रहा है। जल शक्ति मंत्री ने कहा कि जब तक राजशक्ति के साथ जनशक्ति नहीं जुड़ेगी, तब तक कोई भी संकल्प पूर्ण नहीं हो सकता। उन्होंने सभी नागरिकों से जल संरक्षण, नदी संरक्षण, पर्यावरण संवर्धन और वृक्षारोपण को जनआंदोलन बनाने का आह्वान करते हुए कहा कि आने वाली पीढ़ियों को सुरक्षित भविष्य देने के लिए जल की प्रत्येक बूंद और प्रत्येक नदी की रक्षा करना हम सभी का नैतिक दायित्व है।

इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष घनश्याम अनुरागी, माधौगढ़ विधायक मूलचंद निरंजन, कालपी विधायक विनोद चतुर्वेदी, जल शक्ति मंत्री के प्रतिनिधि अरविंद चौहान, जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय, पुलिस अधीक्षक विनय कुमार सिंह, परमार्थ संस्था से संजय कुमार, वरुण आदि सहित सम्बंधित अधिकारी व जनप्रतिधि व बड़ी सख्यां में जल सहेली आदि मौजूद रहे।

मेडिकल कॉलेज परिसर में लगे 1000 पौधे, 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान को मिली रफ्तार

चिकित्सकों, कर्मचारियों और छात्र-छात्राओं ने किया पौधरोपण, संरक्षण का लिया संकल्प

(यंग भारत न्यूज)

उरई,जालौन। राजकीय मेडिकल कॉलेज, जालौन (उरई) में रविवार को प्रदेश सरकार के 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। अभियान के दौरान मेडिकल कॉलेज परिसर में 1000 फलदार और छायादार पौधे लगाए गए। कार्यक्रम में चिकित्सकों, नर्सिंग स्टाफ, कर्मचारियों और छात्र-छात्राओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया।

कार्यक्रम का शुभारंभ प्रधानाचार्य डॉ. महेंद्र सिंह ने पौधरोपण कर किया। उनके साथ उप-प्रधानाचार्य डॉ. आर.एन. सिंह कुशवाहा, मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. संतोष वर्मा, चिकित्सा अधीक्षक डॉ. प्रशांत निरंजन, डॉ. निशांत सक्सेना, डॉ. प्रशांत भटनागर, डॉ. जितेंद्र मिश्रा, डॉ. अमित कुमार सहित अन्य चिकित्सकों एवं कर्मचारियों ने भी पौधे लगाए। प्रधानाचार्य डॉ. महेंद्र सिंह ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान प्रकृति के संरक्षण के साथ मातृत्व के सम्मान का भी संदेश देता है। उन्होंने सभी से लगाए गए पौधों की नियमित देखभाल करने और अधिक से अधिक पौधे लगाने की अपील की। कार्यक्रम के अंत में सभी प्रतिभागियों ने हरित एवं स्वच्छ वातावरण के निर्माण के लिए पौधों के संरक्षण का संकल्प लिया।

डकोर निवासी 35 वर्षीय मनोज वर्मा का शव पास के कुएं से बरामद, शनिवार शाम से घर से था लापता

(यंग भारत न्यूज)

उरई। जनपद के डकोर कोतवाली क्षेत्र में रविवार सुबह एक 35 वर्षीय युवक का शव कुएं में मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। मृतक की पहचान डकोर क्षेत्र निवासी लखन वर्मा के पुत्र मनोज वर्मा के रूप में हुई है, जो शनिवार शाम से घर से लापता था।

जानकारी के अनुसार रविवार सुबह करीब 11 बजे ग्रामीणों ने एक कुएं में शव पड़ा देखा, जिसके बाद तत्काल पुलिस को सूचना दी गई। मौके पर पहुंची डकोर कोतवाली पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से शव को बाहर निकलवाया। पहचान होने के बाद परिजनों में कोहराम मच गया।

परिजनों ने बताया कि मनोज शनिवार शाम घर से निकला था, लेकिन देर रात तक वापस नहीं लौटा। काफी तलाश के बावजूद उसका कोई पता नहीं चल सका। रविवार सुबह उसका शव मिलने की सूचना से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा। स्थानीय लोगों के अनुसार मनोज शराब पीने का आदी था। आशंका जताई जा रही है कि वह नशे की हालत में कुएं के पास पहुंचा होगा और संतुलन बिगड़ने से कुएं में गिर गया। हालांकि पुलिस किसी भी निष्कर्ष पर पहुंचने से पहले सभी पहलुओं की गंभीरता से जांच कर रही है। डकोर कोतवाली प्रभारी निरीक्षक देवेंद्र सिंह ने बताया कि शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। प्रथम दृष्टया मामला दुर्घटनावश कुएं में गिरने का प्रतीत हो रहा है, लेकिन मृत्यु के वास्तविक कारणों का पता पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही चल सकेगा। रिपोर्ट के आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।

जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने पेंशनर्स भवन का किया लोकार्पण, पेंशनरों को समर्पित किया सम्मान का नया केंद्र

-पेंशनरों ने जताया आभार, बोले यह सरकार मांगने से पहले ही हमारी जरूरतों और सम्मान का ख्याल रखती है

(यंग भारत न्यूज)

उरई। जनपद में प्रदेश के जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह जी ने पेंशनर्स भवन का लोकार्पण कर वरिष्ठ पेंशनरों को महत्वपूर्ण सौगात दी। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि यह भवन केवल ईंट-पत्थरों का ढांचा नहीं, बल्कि समाज के उन अनुभवी और समर्पित लोगों के सम्मान का प्रतीक है, जिन्होंने अपना संपूर्ण जीवन राष्ट्र, समाज और शासन-प्रशासन की सेवा में समर्पित किया है। उन्होंने कहा कि सेवानिवृत्त कर्मचारी केवल पेंशनर नहीं, बल्कि अनुभव, अनुशासन, ईमानदारी और कर्तव्यनिष्ठा की अमूल्य धरोहर हैं। उनका अनुभव नई पीढ़ी के लिए प्रेरणा का स्रोत है और समाज को सदैव दिशा देता रहेगा। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि यह भवन संवाद, सहयोग, आत्मीयता और सामाजिक सहभागिता का सशक्त केंद्र बनेगा, जहां वरिष्ठजन अपने अनुभव साझा करेंगे और समाजहित में सकारात्मक भूमिका निभाएंगे।

मा0 जल शक्ति मंत्री जी ने कहा कि मा0 मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में प्रदेश सरकार पेंशनरों के सम्मान और कल्याण के लिए निरंतर कार्य कर रही है। सरकार का उद्देश्य केवल विकास करना नहीं, बल्कि समाज के प्रत्येक वर्ग को सम्मानपूर्वक विकास की मुख्यधारा से जोड़ना है। उन्होंने कहा कि सेवानिवृत्ति जीवन का अंत नहीं, बल्कि समाज को अनुभव और मार्गदर्शन देने की नई शुरुआत है। इस अवसर पर उपस्थित पेंशनरों ने भावुक होकर प्रदेश सरकार और मा0 मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि 'यह सरकार हमारी भावनाओं को समझती है। हमें अपनी आवश्यकता बताने से पहले ही सरकार हमारे सम्मान, सुविधा और भविष्य का ध्यान रखती है। पेंशनर्स भवन इसका जीवंत उदाहरण है, जो हमें सम्मान और अपनत्व का एहसास कराता है। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष घनश्याम अनुरागी, विधान परिषद सदस्य रमा निरजंन, सदर विधायक गौरीशंकर वर्मा, माधौगढ़ विधायक मूलचंद निरजंन, जल शक्ति मंत्री के प्रतिनिधि अरविंद चौहान, जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय, पुलिस अधीक्षक विनय कुमार सिंह व बड़ी संख्या में पेंशनर्स, जनप्रतिनिधि, प्रशासनिक अधिकारी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह जी ने आधुनिक तरणताल का किया लोकार्पण, जनपदवासियों को खेल अवसंरचना की बड़ी सौगात

खेल संस्कृति को मिलेगा नया आयाम, जालौन के खिलाड़ी राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय स्तर पर करेंगे जिले का नाम रोशन

(यंग भारत न्यूज)

उरई। जनपद के लिए आज का दिन खेल जगत में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि के रूप में दर्ज हो गया, जब उत्तर प्रदेश के जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह जी ने आधुनिक सुविधाओं से युक्त तरणताल एवं विकसित खेल परिसर का लोकार्पण कर जनपदवासियों को एक बड़ी सौगात दी। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि यह परियोजना केवल एक स्विमिंग पूल नहीं, बल्कि जिले की खेल प्रतिभाओं को नई पहचान दिलाने वाला केंद्र बनेगी। मंत्री जी ने कहा कि जहां खेल के मैदान आबाद होते हैं, वहां अनुशासन, आत्मविश्वास और सकारात्मक ऊर्जा का वातावरण विकसित होता है। उन्होंने कहा कि आधुनिक तरणताल के निर्माण से बच्चों और युवाओं को तैराकी का बेहतर प्रशिक्षण मिलेगा तथा वे राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के लिए स्वयं को तैयार कर सकेंगे।

उन्होंने खिलाड़ियों से नियमित अभ्यास, अनुशासन और समर्पण के साथ आगे बढ़ने का आह्वान करते हुए कहा कि प्रदेश सरकार खेलों के विकास के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। खिलाड़ियों को बेहतर प्रशिक्षण, आधुनिक सुविधाएं और आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराने में कोई कमी नहीं आने दी जाएगी। मा0 जल शक्ति मंत्री जी ने कहा कि उत्तर प्रदेश में खेल अवसंरचना का तेजी से विस्तार किया जा रहा है। 'एक मंडल-एक स्पोर्ट्स कॉलेज', 'एक जनपद-एक खेल' जैसी योजनाओं के माध्यम से खिलाड़ियों को बेहतर अवसर उपलब्ध कराए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि सरकार की खेल नीति ने प्रतिभाशाली खिलाड़ियों के लिए रोजगार, सम्मान और पुरस्कार की नई संभावनाएं खोली हैं। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष घनश्याम अनुरागी, विधान परिषद सदस्य रमा निरंजन, सदर विधायक गौरी शंकर वर्मा, माधौगढ़ विधायक मूलचंद निरंजन, कालपी विधायक विनोद चतुर्वेदी, जल शक्ति मंत्री के प्रतिनिधि अरविंद चौहान, जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय, पुलिस अधीक्षक विनय कुमार सिंह, मुख्य विकास अधिकारी के के सिंह सहित जनप्रतिनि मौजूद रहे।

कौशल सिंह जादौन बने स्वतंत्रता सेनानी परिवार कल्याण महापरिषद के जिलाध्यक्ष

संगठन विस्तार के तहत मिली जिम्मेदारी,स्वतंत्रता सेनानी परिवारों के हित में कार्य तेज करने का जताया भरोसा

(यंग भारत न्यूज)

उरई,जालौन। अखिल भारतीय स्वतंत्रता सेनानी परिवार कल्याण महापरिषद ने संगठन का विस्तार करते हुए जालौन जनपद के ग्राम मुसमरिया निवासी कौशल सिंह जादौन को जिला अध्यक्ष मनोनीत किया है। उनकी नियुक्ति महापरिषद के झांसी मंडल अध्यक्ष प्रताप सिंह बुंदेला ने की।

जारी मनोनयन पत्र में कहा गया है कि कौशल सिंह जादौन द्वारा स्वतंत्रता सेनानी परिवारों के हित में किए गए निस्वार्थ कार्यों, संगठन के प्रति समर्पण और सक्रिय सहयोग को देखते हुए उन्हें यह जिम्मेदारी सौंपी गई है। मंडल अध्यक्ष प्रताप सिंह बुंदेला ने विश्वास जताया कि कौशल सिंह जादौन के नेतृत्व में जनपद में संगठन और अधिक सक्रिय होगा तथा स्वतंत्रता सेनानी परिवारों के कल्याण से जुड़े कार्यों को नई गति मिलेगी। नियुक्ति के बाद महापरिषद के पदाधिकारियों और स्थानीय कार्यकर्ताओं ने कौशल सिंह जादौन को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल कार्यकाल की शुभकामनाएं दीं।

मेडिकल कॉलेज में चल रही खाऊ कमाऊ नीति

(यंग भारत न्यूज)

- मेडिकल कॉलेज में जबरदस्त अव्यवस्थाएं है व्याप्त, अप्रेंटिस करने वालों से मांगा जा रहा है 5 से लेकर 10 हजार तक रुपया
- सूत्रों ने अप्रेंटिस प्रमाणपत्र के नाम पर वसूली के लगाए आरोप
- आउटसोर्स कर्मचारियों की ड्यूटी और भुगतान प्रक्रिया पर लगे हैं वसूली के आरोप
- प्रशासनिक फेरबदल से कर्मचारियों में नाराजगी की चर्चा, जांच की मांग

उरई। राजकीय मेडिकल कॉलेज उरई एक बार फिर चर्चाओं में है। कॉलेज के कुछ विभागीय सूत्रों ने संस्थान की कार्यप्रणाली को लेकर कई गंभीर आरोप लगाए हैं। सूत्रों का दावा है कि अप्रेंटिस प्रमाणपत्र जारी करने की प्रक्रिया, आउटसोर्स कर्मचारियों के भुगतान तथा विभागीय प्रभारों के वितरण में अनियमितताएं बरती जा रही हैं। हालांकि इन आरोपों की अभी तक किसी सक्षम एजेंसी ने पुष्टि नहीं की है। सूत्रों के अनुसार विभिन्न निजी संस्थानों से नर्सिंग एवं बी.फार्मा के छात्र-छात्राएं अप्रेंटिस प्रशिक्षण के लिए मेडिकल कॉलेज आते हैं। आरोप है कि अप्रेंटिस प्रमाणपत्र जारी कराने के नाम पर कुछ विद्यार्थियों से ?5,000 से 15,000 तक की धनराशि लिए जाने की चर्चा है। इन दावों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हो सकी है। वहीं आउटसोर्स कर्मचारियों को लेकर भी सवाल उठाए जा रहे हैं। सूत्रों का आरोप है कि कुछ कर्मचारियों की वास्तविक ड्यूटी से अधिक उपस्थिति दर्शाकर भुगतान की प्रक्रिया अपनाई जा रही है। कर्मचारियों के बीच इसको लेकर लंबे समय से चर्चा होने की बात भी सामने आई है। कॉलेज के प्रशासनिक फेरबदल को लेकर भी कर्मचारियों में असंतोष बताया जा रहा है। सूत्रों का कहना है कि पूर्व प्रधानाचार्य डॉ. अरविंद त्रिवेदी के समय जिन अधिकारियों को विभिन्न विभागों का प्रभार दिया गया था, वर्तमान प्रधानाचार्य डॉ. महेंद्र कुमार ने उनमें बदलाव किए हैं। कुछ कर्मचारियों का आरोप है कि नए प्रभारों के चयन में पारदर्शिता नहीं बरती गई। हालांकि इस संबंध में भी कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। मामले को लेकर कर्मचारियों का कहना है कि यदि लगाए जा रहे आरोप निराधार हैं तो मेडिकल कॉलेज प्रशासन को स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए। वहीं यदि आरोपों में तथ्य हैं तो निष्पक्ष जांच कर दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई की जानी चाहिए। पक्ष जानने का प्रयास:इस संबंध में राजकीय मेडिकल कॉलेज के प्रधानाचार्य डॉ. महेंद्र कुमार का पक्ष प्राप्त करने का प्रयास किया गया, लेकिन समाचार लिखे जाने तक उनका पक्ष उपलब्ध नहीं हो सका। उनका पक्ष प्राप्त होने पर उसे भी प्रमुखता से प्रकाशित किया जाएगा।

'एक पेड़ मां के नाम' अभियान से जुड़ें, पौधरोपण को जनआंदोलन बनाएं - स्वतंत्र देव सिंह

जनपद में वृहद पौधरोपण महाअभियान-2026 का शुभारंभ, उत्कृष्ट कार्य करने वाले 12 से अधिक लोगों का सम्मान, जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों ने किया व्यापक वृक्षारोपण

(यंग भारत न्यूज)

आटा (जालौन)। जनपद में वृहद पौधरोपण महाअभियान-2026 का शुभारंभ प्रदेश के जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह जी ने उरई-कालपी रोड स्थित नवीन गल्ला मंडी के समीप आटा में पौधरोपण कर किया। इस अवसर पर उन्होंने 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान को जन-जन से जोड़ने का आह्वान करते हुए कहा कि पौधरोपण केवल पर्यावरण संरक्षण का कार्यक्रम नहीं, बल्कि हमारी संस्कृति, संवेदना और आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य का राष्ट्रीय संकल्प है।कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों, प्रशासनिक अधिकारियों, वन विभाग, विभिन्न विभागों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों, सामाजिक संगठनों तथा बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं और आम नागरिकों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। इस दौरान वृक्षारोपण महाअभियान-2026 के अंतर्गत वृक्षारोपण, कृषि वानिकी एवं सामाजिक वानिकी के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने वाले 12 से अधिक व्यक्तियों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने कहा कि 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान भारत की उस सनातन संस्कृति का प्रतीक है, जहां मां और प्रकृति दोनों को समान सम्मान दिया जाता है। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार मां जीवन देती है, उसी प्रकार वृक्ष पूरी पृथ्वी को जीवन प्रदान करते हैं। इसलिए प्रत्येक व्यक्ति को अपनी मां के सम्मान में कम से कम एक पौधा लगाकर उसकी देखभाल करनी चाहिए। उन्होंने भारतीय संस्कृति में वृक्षों के महत्व का उल्लेख करते हुए शास्त्रों का प्रसिद्ध श्लोक 'दशकूपसमावापी...' उद्धृत किया और कहा कि हमारी परंपरा में एक वृक्ष को दस पुत्रों के समान माना गया है। इससे स्पष्ट होता है कि भारतीय सभ्यता में प्रकृति और पर्यावरण का कितना ऊंचा स्थान रहा है। जलवायु परिवर्तन पर चिंता व्यक्त करते हुए मंत्री जी ने कहा कि बढ़ता तापमान, अनियमित वर्षा, सूखा, बाढ़ और भूजल स्तर में गिरावट आज पूरी दुनिया के सामने बड़ी चुनौती है। उन्होंने कहा कि एक विकसित वृक्ष प्रतिवर्ष लगभग 100 से 120 किलोग्राम ऑक्सीजन उपलब्ध कराता है और अपने जीवनकाल में एक टन से अधिक कार्बन डाइऑक्साइड अवशोषित करने की क्षमता रखता है। घने वृक्षों वाले क्षेत्रों में तापमान भी आसपास के क्षेत्रों की तुलना में 2 से 5 डिग्री सेल्सियस तक कम रहता है। उन्होंने कहा कि वृक्षारोपण पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ जल संरक्षण का भी सबसे प्रभावी और स्थायी उपाय है।

मा0 जलशक्ति मंत्री जी ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश में चल रहे हरित अभियान की सराहना करते हुए कहा कि राज्य सरकार ने पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में नए कीर्तिमान स्थापित किए हैं। उन्होंने बताया कि पिछले वर्ष एक ही दिन में 36 करोड़ 50 लाख से अधिक पौधे लगाकर नया रिकॉर्ड बनाया गया था। वर्ष 2017 से अब तक प्रदेश में 190 करोड़ से अधिक पौधे लगाए जा चुके हैं और उत्तर प्रदेश जल्द ही 200 करोड़ पौधरोपण के आंकड़े को पार करने की ओर अग्रसर है। उन्होंने कहा कि फॉरेस्ट सर्वे ऑफ इंडिया की रिपोर्ट के अनुसार प्रदेश के वन एवं वृक्षावरण में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है। पौधों की 100 प्रतिशत जियो-टैगिंग, ड्रोन और सैटेलाइट से निगरानी तथा वैज्ञानिक संरक्षण की व्यवस्था की गई है। उन्होंने बताया कि प्रदेश में पौधों के जीवित रहने की दर करीब 90 प्रतिशत तक पहुंच चुकी है, जो देश में सर्वाधिक मानी जा रही है। मा0 मंत्री जी ने कहा कि सरकार 'नगर वन', 'मित्र वन', 'पंचवटी' और 'हरिशंकरी' जैसी योजनाओं के माध्यम से हरित क्षेत्र बढ़ाने के साथ किसानों को फलदार, औषधीय और इमारती पौधे उपलब्ध करा रही है, जिससे पर्यावरण संरक्षण के साथ ग्रामीण अर्थव्यवस्था भी मजबूत होगी। उन्होंने लोगों से अपील की कि जन्मदिन, विवाह वर्षगांठ, पूर्वजों की स्मृति अथवा किसी भी शुभ अवसर पर एक पौधा अवश्य लगाएं और उसे पेड़ बनने तक संरक्षित करें। उन्होंने कहा कि पौधा लगाना पहला कदम है, लेकिन उसकी देखभाल करना ही पर्यावरण के प्रति हमारी वास्तविक जिम्मेदारी है। उत्तर प्रदेश शासन के सचिव कृषि, कृषि शिक्षा एवं अनुसंधान, कृषि विपणन, कृषि विदेश व्यापार एवं निर्यात प्रोत्साहन विभाग तथा जनपद के नोडल अधिकारी इंद्र विक्रम सिंह ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण और कृषि समृद्धि एक-दूसरे के पूरक हैं। उन्होंने किसानों से कृषि वानिकी को अपनाने का आह्वान करते हुए कहा कि फलदार एवं इमारती वृक्ष किसानों की आय बढ़ाने के साथ पर्यावरण संरक्षण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ. घनश्याम अनुरागी ने कहा कि जनप्रतिनिधियों, ग्राम पंचायतों और आमजन की सक्रिय भागीदारी से ही हरित अभियान सफल होगा। उन्होंने प्रत्येक ग्राम पंचायत में पौधों के संरक्षण को जनभागीदारी से जोड़ने पर बल दिया। विधान परिषद सदस्य रमा निरंजन ने कहा कि आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ एवं हरित वातावरण देना हम सभी की साझा जिम्मेदारी है। उन्होंने महिलाओं एवं युवाओं से अभियान में बढ़-चढ़कर भागीदारी निभाने का आह्वान किया। सदर विधायक गौरीशंकर वर्मा ने कहा कि वृक्ष केवल पर्यावरण ही नहीं, बल्कि जीवन, संस्कृति और समृद्धि के आधार हैं। उन्होंने प्रत्येक नागरिक से पौधरोपण के साथ उसके संरक्षण का संकल्प लेने की अपील की। माधौगढ़ विधायक मूलचंद निरंजन ने कहा कि जनसहभागिता के बिना कोई भी अभियान पूर्ण नहीं हो सकता। उन्होंने ग्रामीण क्षेत्रों में अधिक से अधिक पौधरोपण कर हरित आवरण बढ़ाने का आह्वान किया। कालपी विधायक विनोद चतुर्वेदी ने कहा कि पौधरोपण को सामाजिक दायित्व के रूप में अपनाना समय की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि यदि प्रत्येक व्यक्ति एक पौधा लगाकर उसकी देखभाल करे तो पर्यावरण संरक्षण का लक्ष्य आसानी से प्राप्त किया जा सकता है। कार्यक्रम के दौरान जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय, पुलिस अधीक्षक विनय कुमार सिंह, मुख्य विकास अधिकारी के.के. सिंह, प्रभागीय वनाधिकारी प्रदीप कुमार सहित जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों, कर्मचारियों, छात्र-छात्राओं एवं बड़ी संख्या में उपस्थित नागरिकों ने उत्साहपूर्वक पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया। समारोह में विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए प्रदर्शनी स्टॉलों का भी अवलोकन किया गया तथा सभी से अधिकाधिक पौधरोपण कर उसके संरक्षण का संदेश जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया।

माधौगढ़ जालौन महेंद्र कुमार गौतम पत्रकार के जन्मदिन के मौके पर लगाए एक पेड़ चंदन का मां के नाम

(यंग भारत न्यूज)

माधौगढ जालौन माधौगढ तहसील मे एबीसी न्यूज के पत्रकार महेंद्र सिंह गौतम ने जन्मदिन के अवसर पर तहसीलदार भुवनेंद्र कुमार ने तहसील परिसर एक पेड मां के नाम लगाया दी जन्मदिन की हार्दिक बधाई वहीं पर नेता सभासद पत्रकारों ने जन्मदिन मे शामिल होकर बधाई दी महेंद्र सिंह गौतम का एक ही कहना है कि फिजूल खर्च करने से अच्छा है कि जन्मदिन के अवसर पर गायों को हरा चारा गुड़ खिलाये या एक पेड़ मां के नाम जरूर लगाए जिससे पेड़ हम हभी को ऑक्सीजन देता है व ठंडी हवा देता बीमारियों से निजात मिलता है इसलिए सभी लोगों को एक पेड़ मां के नाम अवश्य लगाये जन्मदिन के अवसर पर तहसील सभागार में 2019 विधानसभा के प्रबल दावेदार ओमकार ठाकुर अरविंद कुमार सेंगर सभासद वरिष्ठ पत्रकार विजय द्विवेदी आरके मिश्रा डॉक्टर डॉ विनोद कुमार कुशवाहा एलबी सिंह अखिलेश सविता मोनू शर्मा राकेश देवेंद्र कुमार सत्येंद्र कुमार भोला पाठक अकित याज्ञिक योगेंद्र प्रजापति वेदप्रकाश याज्ञिक सौरभ रामपुरा उमेश प्रजापति राजू हारौली सहित सैकड़ो की तदाद में पत्रकार मौजूद रहे दी जन्मदिन की बधाई दीर्घायु की कामना की

प्राथमिक विद्यालय इकहरा में 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के तहत हुआ वृक्षारोपण

(यंग भारत न्यूज)

माधौगढ़ (जालौन)। शासन की मंशानुरूप प्राथमिक विद्यालय इकहरा में 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के तहत वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में एआरपी योगेश कुमार सिंह, प्रधानाध्यापक मनोज कुमार बाथम एवं ग्राम प्रधान रामपाल सेंगर ने अपनी-अपनी माताओं के नाम एक-एक पौधा लगाकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इस अवसर पर एआरपी योगेश कुमार सिंह ने कहा कि वृक्ष मानव जीवन के लिए अत्यंत आवश्यक हैं। इनके बिना स्वस्थ और सुरक्षित पर्यावरण की कल्पना नहीं की जा सकती। वहीं प्रधानाध्यापक मनोज कुमार बाथम ने कहा कि प्रकृति की रक्षा करना हम सभी का मूल कर्तव्य है तथा वृक्ष मानव जीवन के लिए अमूल्य धरोहर हैं। कार्यक्रम के दौरान एसएमसी अध्यक्ष संतोष कुमार, विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने भी एक-एक पौधा लगाकर उसकी देखभाल का संकल्प लिया। वृक्षारोपण कार्यक्रम में विद्यालय स्टाफ एवं ग्राम के अन्य ग्रामीण भी उपस्थित रहे।

एक ही घर मे रह रहे दो दो परिवारों को रात में घुसे चोरों ने आभूषण तथा अन्य कीमती सामान चुरा ले गए चोर

(यंग भारत न्यूज)

उरई /रामपुरा। रामपुरा थाना क्षेत्र के ग्राम निनावली जागीर में शनिवार देर रात अज्ञात चोरों ने एक ही घर में रहने वाले दो परिवारों को निशाना बनाकर बड़ी चोरी की वारदात को अंजाम दिया। चोर अलग-अलग रास्तों से घर में घुसे और करीब 1.10 लाख रुपये मूल्य के सोने-चांदी के आभूषण लेकर फरार हो गए। घटना की जानकारी रविवार सुबह होने पर परिवार में हड़कंप मच गया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी।

गांव निवासी वीरसिंह पुत्र त्रिभुवन तथा उनके भतीजे विपिन पुत्र परमरसिंह के घरों में चोरी हुई। बताया गया कि चोर पहले विपिन के मकान की टीनशेड हटाकर अंदर घुसे और अलमारी का ताला तोड़कर उसमें रखी सोने की झुमकी, नाक का आभूषण (सुई-धागा), चांदी की पायल सहित लगभग 50 हजार रुपये मूल्य के जेवरात चोरी कर ले गए। इसके बाद चोरों ने वीरसिंह के कमरे की खिड़की का जंगला हटाकर प्रवेश किया और बक्से में रखी सोने की चेन, अंगूठी, चूड़ियां तथा चांदी की पायल सहित करीब 60 हजार रुपये मूल्य के आभूषण समेट लिए। वारदात के समय वीरसिंह घर की छत पर सो रहे थे, जबकि विपिन घर के बाहर सो रहा था, जिसका फायदा उठाकर चोर आसानी से चोरी कर फरार हो गए। रविवार सुबह करीब पांच बजे विपिन घर के अंदर पहुंचा तो सामान बिखरा पड़ा मिला। इसके बाद दूसरे कमरे की जांच करने पर वहां भी चोरी का पता चला। घटना की सूचना तत्काल पुलिस को दी गई।सूचना पर सिद्धपुरा चौकी प्रभारी जितेंद्र कुमार पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण कर साक्ष्य जुटाए। पुलिस आसपास के लोगों से पूछताछ कर संदिग्धों के संबंध में जानकारी एकत्र कर रही है। रामपुरा थाना प्रभारी निरीक्षक शिव प्रकाश सिंह ने बताया कि एक ही घर में रहने वाले दो परिवारों के यहां चोरी की सूचना मिली है। पुलिस मामले की गंभीरता से जांच कर रही है। जल्द ही घटना का खुलासा कर आरोपियों को गिरफ्तार किया जाएगा। घटना के बाद गांव में दहशत का माहौल है। ग्रामीणों ने क्षेत्र में रात्रि गश्त बढ़ाने और सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने की मांग की है।

नवविवाहित 21 वर्षीय युवक ने फांसी लगाकर दे दी जाएं, मौत के कारण का पता लगाने में जुटी है पुलिस ,तीन माह पहले हुई थी शादी,

(यंग भारत न्यूज)

उरई । कदौरा थाना क्षेत्र के सिद्धार्थ नगर मोहल्ले में रविवार सुबह एक 21 वर्षीय नवविवाहित युवक का शव घर में फंदे से लटका मिलने से सनसनी फैल गई। परिजन उसे तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गए, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और मामले की जांच शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार, मृतक की पहचान सुशील अनुरागी (21) पुत्र अशोक अनुरागी निवासी सिद्धार्थ नगर, थाना कदौरा के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि सुशील ने घर के कमरे में साड़ी का फंदा बनाकर पंखे से लटककर जान दे दी। घटना के समय परिजनों ने उसे फंदे से उतारकर अस्पताल पहुंचाया, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। परिजनों के अनुसार, सुशील अपने दो भाइयों में सबसे बड़ा था और उसकी शादी करीब तीन माह पूर्व ही हुई थी। अचानक हुई इस घटना से परिवार में कोहराम मच गया है। पत्नी, माता-पिता और अन्य परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। कदौरा थाना प्रभारी परमेंद्र सिंह ने बताया कि प्रथम दृष्टया मामला आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है। युवक ने यह कदम किन परिस्थितियों में उठाया, इसका कारण अभी स्पष्ट नहीं हो सका है। पुलिस परिजनों से पूछताछ कर सभी पहलुओं की जांच कर रही है।

आईटीआई उरई में 14 को रोजगार मेला सुबह 10बज से 3/30 तक

(यंग भारत न्यूज)

उर ई। प्रधानाचार्य रा0औ0प्र0सं0उरई ने बताया कि सर्वसाधरण को सूचित किया जाता है कि राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान उरई में दिनांक. 14 जुलाई, 2026 को प्रात: 10 बजे से 03.30 बजे तक वृहद रोजगार मेले का आयोजन किया जा रहा है।उक्त रोजगार मेले में हीरो मोटो कॉप लि0 सुजुकी, महेन्द्रा स्वराज, अरविन्द लि0, वर्धमान यार्न, ऐडिको इण्डया, हायर एप्लाइन्स टेक्निको, मदरसन सूमी इण्डया लि0, प्रास इन्टर प्राइजेज, कोल्विन मैनेजमेंट साल्यूशन प्रा0 लि0, न्यू हॉलेन्ड जय भारत मारूती प्रा0लि0, पी0एस0एन0 सप्लाई चेन सोल्यूसन प्रा0लि0, एल0आई0सी0, बहु प्रतिष्ठित कंपनिया प्रतिभाग कर रही हैं। जिसमें कम से कम योग्यता हाईस्कूल, इण्टरमीडिएट, स्नातक, परास्नातक, आई0टी0आई0, पॉलीटेक्निक एवं कौशल विकास से संबंधित पाठ्यक्रम के समस्त व्यवसायों के अन्तर्गत प्रशिक्षण प्राप्त कर चुके अभ्यर्थियों को नि:शुल्क नौकरी पाने का सुनहरा अवसर मिल रहा है। उक्त मेले में 18-35 वर्ष के बेरोजगार महिला/पुरुष अभ्यर्थी नौकरी पाने के लिये प्रतिभाग कर सकते है।अत: बेरोजगार एवं नौकरी के इच्छुक महिलाएं व पुरुष अपनी योग्यता के अनुसार नौकरी पाने के लिये दिनांक 14 जुलाई 2026 को प्रात: 10 बजे राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान उरई के परिसर में अपने शैक्षिक दस्तावेज, जैसे आधार कार्ड, पासपोर्ट साइज फोटो लेकर साक्षात्कार देने के लिये समय से उपस्थित हों। यह नौकरियां नि:शुल्क है। सरकार की मंशा है कि नौकरी पाकर अभ्यर्थी अपने जीवन एवं अपने परिवार के साथ साथ देश को समृद्ध व खुशहाल बनायें।

बच्चों का भविष्य अंधकार की ओर, और शिक्षक करते मौज

विकास के नाम पर धब्बा

(यंग भारत न्यूज)

माधौगढ (जालौन) माधौगढ़ विकास खंड के गिद्धनखोड गांव से सामने आई एक तस्वीरें सरकारी स्कूलों की व्यवस्था और गांव के विकास कार्यों पर गंभीर सवाल खड़े कर रही हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि स्कूल में बच्चों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है और बच्चों से बर्तन तक धुलवाए जा रहे हैं।

ग्राउंड रिपोर्ट के दौरान स्कूल परिसर में जगह-जगह झाड़ियां उगी हुई दिखाई दीं। ग्रामीणों का कहना है कि इससे जहरीले जीव-जंतुओं का खतरा बना रहता है और बच्चों की सुरक्षा भी दांव पर लगी हुई है। उनका आरोप है कि विद्यालय में नियमित साफ-सफाई और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का अभाव है। इधर गांव के लोगों ने विकास कार्यों को लेकर भी नाराजगी जताई। ग्रामीणों का कहना है कि कई जगह सड़कें और नालियां बदहाल हैं, जिससे बरसात के दिनों में लोगों को भारी परेशानी उठानी पड़ती है। पेयजल संकट भी गांव की बड़ी समस्या बना हुआ है। ग्रामीणों का आरोप है कि पर्याप्त पानी की व्यवस्था नहीं है और लोगों को दूर-दूर से पानी लाना पड़ता है। उन्होंने संबंधित विभागों से जल्द समाधान की मांग की है। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि स्कूल की व्यवस्था में सुधार किया जाए, बच्चों को बेहतर शिक्षा का माहौल मिले, गांव में विकास कार्य तेज किए जाएं और पेयजल समस्या का स्थायी समाधान निकाला जाए।

विभिन्न भाजपा बूथों पर वृक्षारोपण महाअभियान चलाकर पूजा शुक्ला ने वृक्षारोपण किया

(यंग भारत न्यूज)

कुठौंद जालौन, विकासखंड कुठौंद क्षेत्र अंतर्गत आज मुख्यमंत्री आदित्यनाथ योगी के नवनिर्माण के नौ बर्ष के उपलक्ष्य में विभिन्न बूथों पर पूजा शुक्ला भाजपा महिला मोर्चा मण्डल अध्यक्ष का लक्ष्य पर्यावरण संरक्षण और सतत विकास के प्रति अटूट प्रतिबद्धता के प्रतीक में भागीदारी करते हुए वृक्षारोपण अभियान को ब्लॉक कुठौंद की ग्राम पंचायत खेड़ा मुस्तकिल और मजरा सीग़पुरा,कान्हा गेस्ट हाउस नैनापुर, शंकरपुर, इंगुर्री, कुठौंद एवं कई बूथों पर वृक्षारोपण अभियान के तहत पूजा शुक्ला ने कोलकाता से स्वयं के खर्च से मंगाए 500 हाइब्रिड वृक्ष फलदार छायादार और फूलों पौधों को किसान भाइयों बहिनों को स्वयं के वाहन टैक्टर, मोटरसाइकिलो से बूथों तक पहुंच कर वितरण कर जनमानस बंधुओं को पीपल के पेड़ के बारे बताया की पीपल का पेड़ पर्यावरण और स्वास्थ्य के लिए बेहद लाभकारी है यह दिन-रात प्रचुर मात्रा में ऑक्सीजन छोड़ता है आयुर्वेद में इसके पत्ते, छाल और फल का उपयोग दमा (अस्थमा) , कब्ज, त्वचा रोगों और दांत दर्द के इलाज के लिए भी किया जाता है भाजपा सरकार केवल विकास की इमारत नहीं गढ़ रही, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए हरियाली की अमूल्य विरासत भी सृजित कर रही है अपने-अपने गांवों में आइए, हम सभी इस महाअभियान में सहभागी बनकर प्रकृति संरक्षण का संकल्प लें और 'विकसित भारत' के निर्माण में अपना योगदान दें कुठौंद क्षेत्र में पौधा वितरण एवं रोपण में हरिबाबू प्रधान खेड़ा मुस्तिकिल, महेंद्र सिंह गौतम, अमित गुप्ता, रज्जू प्रजापति वरुण कुमार, पूजा शुक्ला, सरिता, नीलम यज्ञिक रिचा के साथ में उपस्थित रहकर सहयोग कर वृक्षारोपण किया

कोटरा थाना परिसर में बृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित

(यंग भारत न्यूज)

उरई /कोटरा ।एक पेड़ मां के नाम अभियान को सफल बनाने के उद्देश्य से थाना परिसर में बृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। एक पेड़ मां के नाम अभियान की शुरुआत करते हुए थाना प्रभारी विमलेश कुमार द्वारा थाना परिसर में अनेक प्रजातियों के पौधे का वृक्षारोपण किया गया कार्यक्रम में थाना के समस्त एस आई, सिपाही एवं होमगार्ड ने एक-एक पेड़ लगाकर उनके संरक्षण का संकल्प लिया गया । इस मौसम में वैसे तो प्रति वर्ष विशेष अभियान चलाकर वन विभाग सैकड़ो पेड़ पौधे लगाते हैं इस वर्ष शासन द्वारा एक पेड़ मां के नाम पर सभी को पेड़ लगाने के लिए प्रेरित किया गया है इसी क्रम में थाना कोटरा में एक पेड़ मां के नाम अभियान की सफलता के लिए सैकड़ो पेड़ रोपित किए गए हैं।

माधौगढ में राशन वितरण व्यवस्था पर उठे सवाल, घटतौली के आरोपों से उपभोक्ताओं में भारी आक्रोश

(यंग भारत न्यूज)

माधौगढ़ (जालौन) माधौगढ़ नगर में सरकारी राशन वितरण व्यवस्था इन दिनों सवालों के घेरे में है। स्थानीय गरीब कार्डधारकों और उपभोक्ताओं ने क्षेत्र के कई राशन डीलरों (कोटेदारों) पर गंभीर आरोप लगाते हुए मोर्चा खोल दिया है। ग्रामीणों का कहना है कि सरकार द्वारा गरीबों के लिए भेजी जा रही खाद्य सामग्री को उन तक पूरी ईमानदारी से नहीं पहुँचाया जा रहा है और राशन की कालाबाजारी तथा घटतौली का खेल धड़ल्ले से चल रहा है।

मामला माधौगढ़ नगर का है, जहाँ स्थानीय उपभोक्ता आदेश कुमार व अन्य ग्रामीणों ने मिलकर 'नीलू कोटेदार' के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। उपभोक्ता आदेश का सीधा आरोप है कि उक्त कोटेदार द्वारा गरीब और पात्र कार्डधारकों को सरकार द्वारा निर्धारित मात्रा से काफी कम राशन दिया जा रहा है। जब कार्डधारक इसका विरोध करते हैं, तो उन्हें राशन न देने की धमकी दी जाती है या टालमटोल कर दिया जाता है। उपभोक्ताओं का कहना है कि डिजिटल तराजू होने के बावजूद राशन तौलने में हेराफेरी की जा रही है, जो सीधे तौर पर गरीबों के हक पर डाका डालने जैसा है। इस अव्यवस्था और कोटेदारों की मनमानी से तंग आकर स्थानीय जागरूक नागरिकों और पीड़ितों ने प्रशासन से न्याय की गुहार लगाई है। उपभोक्ताओं ने जिलाधिकारी और संबंधित खाद्य आपूर्ति विभाग के उच्च अधिकारियों से मांग की है कि माधौगढ़ नगर के राशन वितरण केंद्रों की निष्पक्ष और आकस्मिक जांच कराई जाए। दोषी नीलू कोटेदार समेत अन्य भ्रष्ट डीलरों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाए। तथा पीड़ित कार्डधारकों को उनका पूरा और बकाया राशन दिलवाया जाए।> उपभोक्ताओं का संदेश सरकार एक तरफ गरीबों को मुफ्त और पूरा राशन देने का दावा कर रही है, वहीं दूसरी तरफ स्थानीय डीलर अपनी जेबें भरने में लगे हैं। अगर प्रशासन ने जल्द ही इन कोटेदारों पर नकेल नहीं कसी, तो क्षेत्र की गरीब जनता तहसील मुख्यालय पर धरना-प्रदर्शन करने के लिए मजबूर होगी ।

3 घंटे का सफर 35 मिनट में... लखनऊ-कानपुर एक्सप्रेस वे का उद्घाटन कल, जानें टोल कितना लगेगा

(यंग भारत न्यूज)

उत्तर प्रदेश को एक और बड़े एक्सप्रेसवे की सौगात मिलने जा रही है. लखनऊ-कानपुर एक्सप्रेस वे का सोमवार 13 जुलाई को उद्घाटन होने जा रहा है. केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, परिवहन मंत्री नितिन गडकरी और यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ सोमवार को इस 63 किलोमीटर लंबे लखनऊ-कानपुर एक्सप्रेसवे का उद्घाटन करेंगे.

इस एक्सप्रेस वे के चालू होने के बाद लखनऊ से कानपुर आना-जाना आसान हो जाएगा. अभी लखनऊ से कानपुर आने-जाने में लगभग 2.5 से 3 घंटे का समय लगता है, जो इस एक्सप्रेसवे के शुरू होने के बाद घटकर मात्र 35 से 45 मिनट रह जाएगा.यूपी के दो बड़े महानगरों को जोड़ने वाला यह पहला इंटर सिटी एक्सप्रेस वे है. इस एक्सप्रेस वे की कुल लंबाई का 30 फीसदी एलिवेटेड कॉरिडोर है. इस एक्सप्रेस वे के निर्माण में 3डी ख्र टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल हुआ है. साथ ही इस पर तीन एक्सप्रेस-वे का महाजंक्शन भी बना है. जिससे यूपी के कई जिलों के लोगों को बड़ा फायदा होगा. एक्सप्रेस वे के उद्घाटन से पहले की तैयारियों का जायजा लेने शनिवार को स्थानीय अधिकारियों का दल भी पहुंचा था. जिसमें जिलाधिकारी घनश्याम मीना, एसपी जयप्रकाश सिंह सहित अन्य अधिकारी थे. अभी यह एक्सप्रेस 6-लेन का है. लेकिन आगे इसे 8 लेन तक विस्तार किया जा सकता है. एक्सप्रेस पर दो लेन की जगह छोड़ी गई है. यह एक्सप्रेस वे एनएच-27 के भीड़भाड़ वाले 94 किलोमीटर के पुराने रूट की जगह लेगा, जिससे वाहनों का ईंधन और समय दोनों बचेंगे. इस रूट पर वाहनों की अधिकतम गति सीमा 120 किलोमीटर प्रति घंटा तय की गई है, जिससे दोनों औद्योगिक और प्रशासनिक जुड़वां शहरों के बीच कनेक्टिविटी बेहद तेज हो जाएगी. लखनऊ कानपुर एक्सप्रेसवे के निर्माण पर कुल 4,700 करोड़ रुपए का बजट खर्च किया गया है. ह्ब्रद्ब के अनुसार इस एक्सप्रेसवे की आधारशिला मार्च 2019 और फिर 5 जनवरी 2022 को रखी गई थी. दिसंबर 2020 में इसे आधिकारिक तौर पर राष्ट्रीय एक्सप्रेस वे छह के रूप में नॉमिनेट किया गया था. लखनऊ-कानपुर एक्सप्रेसवे पर पांच टोल है, लेकिन आउटर रिंग रोड से कनेक्ट होने वाले टोल से टैक्स नहीं लिया जाएगा. अभी सिर्फ चार टोल से टोल टैक्स लिया जाएगा. जिसके लिए अलग-अलग वाहनों के अलग-अलग दरें भी तय कर दी गई है.

कार, जीप, एसयूवी : 275 (एक तरफ), 415 (24 घंटे के अंदर वापसी)

हल्की कमर्शियल वाहन: 445 (एक तरफ), 670 (वापसी)

बस और ट्रक: 935 (एक तरफ), 1405 (वापसी)

भारी वाहन : 1020 (एक तरफ), 1530 (वापसी).

लोगों को जाम के झाम से मिलेगी मुक्ति

लखनऊ-कानपुर एक्सप्रेस वे चालू होने से कई जिलों के लोगों को फायदा होगा. इन दोनों शहरों के बीच रोजाना बड़ी संख्या में नौकरीपेशा लोग, छात्र, व्यापारी सफर करते हैं. एक्सप्रेसवे चालू होने के बाद उन्हें जाम से राहत मिलेगी, ईंधन की बचत होगी और यात्रा अधिक आरामदायक बनेगी. इसके अलावा आपातकालीन सेवाओं और माल परिवहन में भी तेजी आएगी.

यूपी में प्राइमरी स्कूलों के रसोइयों का बढ़ा मानदेय: अब हर महीने मिलेंगे ? 1000, योगी सरकार ने बदली व्यवस्था

(यंग भारत न्यूज)

परिषदीय विद्यालयों में मध्यान्ह भोजन योजना (मिड-डे मील) के तहत नौनिहालों के लिए भोजन तैयार करने वाले रसोइयों के लिए राज्य सरकार ने खुशियों की सौगात दी है। सरकार ने रसोइयों की आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से एक नई और पारदर्शी व्यवस्था लागू की है। इसके तहत अब रसोइयों को उनके मौजूदा पारिश्रमिक के अलावा 1000 रुपये प्रतिमाह का अतिरिक्त मानदेय अलग से दिया जाएगा। इस संबंध में शासन स्तर से आदेश जारी कर दिए गए हैं, जिससे प्रदेश भर के लाखों रसोइयों में हर्ष की लहर है। शासन स्तर से जारी शासनादेश के मुताबिक, पहले रसोइयों का मानदेय मध्यान्ह भोजन की 'परिवर्तन लागत' (कन्वर्टिबल कॉस्ट) के प्रशासनिक व्यय मद से निकाला जाता था, जिससे बजट की विसंगतियां बनी रहती थीं। अब भारत सरकार के नए दिशा-निर्देशों पर इस 1000 रुपये के अतिरिक्त मानदेय के लिए एक पृथक (अलग) व्यवस्था की गई है।

इस नई व्यवस्था में आने वाले कुल खर्च का 75 प्रतिशत हिस्सा केंद्र सरकार और शेष 25 प्रतिशत हिस्सा राज्य सरकार द्वारा वहन किया जाएगा। भ्रष्टाचार और देरी को रोकने के लिए सरकार ने भुगतान प्रक्रिया को भी बेहद सख्त और पारदर्शी बनाया है। सभी रसोइयों के नाम अनिवार्य रूप से बैंक में बचत खाते खुलवाए जा रहे हैं। मानदेय का भुगतान 'एकाउंट पेई चेक' या सीधे बैंक ट्रांसफर के माध्यम से ग्राम शिक्षा निधि/वार्ड शिक्षा निधि के खातों में 1000 रुपये प्रति रसोइया की दर से भेजा जाएगा। इसके अलावा, सहायता प्राप्त विद्यालयों, एनजीओ और स्वयं सहायता समूहों द्वारा संचालित स्कूलों में यह धनराशि सीधे संबंधित कार्यदायी संस्था के खाते में ट्रांसफर की जाएगी। सरकार ने स्कूलों में छात्र संख्या के अनुपात में रसोइयों की संख्या का नया मानक (मानदंड) भी तय कर दिया है, जो स्वीकृत छात्र संख्या 25 तक 1, 26 से 100 तक 2, 101 से 200 तक 3, 201 से 300 तक 4, 301 से 1000 तक 5, 1001 से 1500 तक 6 रसोइये तथा 1501 से अधिक छात्र संख्या पर 7 रसोइये स्वीकृत हैं।

अलीगढ़ में नाबालिग मुस्लिम लड़की से गैंगरेप. विरोध करने पर पूरे शरीर को दांतों से काटा, पुलिस ने अरेस्ट किए दोनों दरिंदे

(यंग भारत न्यूज)

प्रदेश के अलीगढ़ जनपद अंतर्गत छर्रा थाना इलाके से एक बेहद विचलित करने वाली और दर्दनाक खबर सामने आई है. यहां एक गांव में सब्जी खरीदने निकली नाबालिग किशोरी को दो युवकों ने बहला-फुसलाकर अगवा कर लिया. आरोप है कि दोनों दरिंदों ने पीड़िता को उसके घर से 4 किलोमीटर दूर एक सुनसान मकान में ले जाकर जबरन शराब पिलाई और फिर उसके साथ सामूहिक दुष्कर्म की वीभत्स घटना को अंजाम दिया. दरिंदों की क्रूरता के चलते किशोरी लहूलुहान होकर बेहोश हो गई, जिसे गंभीर हालत में महिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है. पुलिस ने दोनों आरोपियों को दबोच लिया है.

ये पूरी वारदात अलीगढ़ के छर्रा थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले गांव रुखाले की है, जहां एक परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा. मुस्लिम समाज की नाबालिग किशोरी शनिवार को अपने घर से रोजाना की तरह बाजार में सब्जी खरीदने के लिए निकली थी. रास्ते में घात लगाए बैठे गांव के ही दो युवकों ने उसे अपने झांसे में लिया और बहला-फुसलाकर अपने साथ ले गए. आरोपी किशोरी को खींचकर उसके घर से करीब 4 किलोमीटर दूर स्थित एक मकान में ले गए. परिजनों का आरोप है कि वहां दोनों ने मासूम को जबरदस्ती शराब पिलाई, जिससे वह प्रतिशोध करने की स्थिति में न रहे. इसके बाद उसे मकान की दूसरी मंजिल (सेकंड फ्लोर) पर ले जाया गया. मकान की दूसरी मंजिल पर दोनों दरिंदों ने किशोरी की अस्मत पर हाथ डाला और उसके साथ हैवानियत का नंगा नाच खेला. दोनों आरोपियों ने किशोरी के साथ सामूहिक दुष्कर्म किया. इस दौरान जब पीड़िता ने खुद को बचाने की कोशिश की, तो आरोपियों ने उसके साथ जमकर मारपीट की और शारीरिक क्रूरता की. हैवानियत का आलम यह था कि दरिंदगी के कारण किशोरी के होंठ बुरी तरह सूज गए. उसके चेहरे, गर्दन और पूरे शरीर पर दरिंदों द्वारा दांतों से काटने के गहरे व खौफनाक निशान मिले हैं. इस बर्बरता को मासूम का शरीर बर्दाश्त नहीं कर सका और वह मौके पर ही अचेत (बेहोश) हो गई. इस बीच गांव के एक जागरूक नागरिक को मकान के अंदर कुछ संदिग्ध होने की भनक लगी, जिसने बिना वक्त गंवाए तुरंत पुलिस को फोन कर दिया. सूचना मिलते ही छर्रा थाना पुलिस भारी बल के साथ मौके पर पहुंच गई. पुलिस की गाड़ियों का सायरन सुनते ही दोनों आरोपियों के हाथ-पांव फूल गए और उन्होंने भागने की कोशिश की. इस भगदड़ के दौरान एक आरोपी खुद को घिरा देख दूसरी मंजिल से सीधे पहली मंजिल पर कूद गया, जिससे वह गंभीर रूप से चोटिल (घायल) हो गया. मौके पर भारी संख्या में रुखाले गांव के ग्रामीण भी इकट्ठा हो गए थे. दरिंदगी की बात पता चलते ही ग्रामीणों का गुस्सा सातवें आसमान पर पहुंच गया और उन्होंने दोनों आरोपियों को पकड़कर उनकी जमकर पिटाई (धुनाई) कर दी. पुलिस ने किसी तरह भारी मशक्कत के बाद दोनों को भीड़ के चंगुल से छुड़ाकर अपनी हिरासत में लिया.

बौद्ध साधुओं को जाल में फंसाकर करोड़ों की उगाही! 80 हजार वीडियो ने खोला 'मिस गोल्फ' का चौंकाने वाला राज

(यंग भारत न्यूज)

सब कुछ सामान्य चल रहा था, लेकिन अचानक एक प्रतिष्ठित बौद्ध भिक्षु ने बिना किसी स्पष्ट कारण के अपना संन्यास छोड़ दिया। यह फैसला धार्मिक समुदाय के लिए बेहद असामान्य था। सवाल उठने लगे कि आखिर ऐसा क्या हुआ, जिसने वर्षों से तप और अनुशासन का जीवन जी रहे एक भिक्षु को यह कदम उठाने पर मजबूर कर दिया। जब पुलिस ने मामले की जांच शुरू की, तो धीरे-धीरे एक ऐसी कहानी सामने आई जिसने पूरे देश को हैरान कर दिया। जांच में पता चला कि एक महिला, जिसे स्थानीय मीडिया ने 'मिस गोल्फ' नाम दिया, कथित तौर पर कई बौद्ध भिक्षुओं के संपर्क में आई। आरोप है कि पहले वह उनसे करीबी संबंध बनाती, फिर निजी तस्वीरों और वीडियो के जरिए उन्हें ब्लैकमेल कर बड़ी रकम की मांग करती थी। मामला तब और गंभीर हो गया जब पुलिस को पता चला कि एक भिक्षु से कथित तौर पर यह कहकर करोड़ों रुपये मांगे गए कि महिला उसके बच्चे की मां बनने वाली है। इसी सुराग ने जांच को नई दिशा दी। इसके बाद जब पुलिस ने महिला के ठिकाने पर छापेमारी की, तो वहां से जो मिला उसने अधिकारियों को भी चौंका दिया। जांच एजेंसियों के अनुसार, डिजिटल उपकरणों और क्लाउड स्टोरेज से 80 हजार से अधिक फोटो और वीडियो बरामद किए गए। आरोप है कि इनका इस्तेमाल कथित तौर पर अलग-अलग लोगों को ब्लैकमेल करने के लिए किया जाता था। जांच के दौरान पुलिस के सामने कम से कम नौ बौद्ध भिक्षुओं के नाम आए। हालांकि अधिकारियों का मानना है कि इस मामले में शामिल लोगों की संख्या इससे अधिक भी हो सकती है। शुरुआती जांच के मुताबिक, पिछले तीन वर्षों में इस कथित नेटवर्क के जरिए 385 मिलियन थाई बात (भारतीय मुद्रा में 100 करोड़ रुपये से अधिक) का लेन-देन हुआ। यह मामला केवल कथित ब्लैकमेलिंग तक सीमित नहीं रहा। थाईलैंड में, जहां अधिकांश आबादी बौद्ध धर्म का पालन करती है,

गोरखपुर में सीएम योगी बोले- राम भक्तों के खून से सना है सपा का इतिहास, कांग्रेस ने राम को काल्पनिक बताया

(यंग भारत न्यूज)

गोरखपुर : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शनिवार को गोरखपुर पहुंचे. भटहट-बांसस्थान फोरलेन सड़क सहित करीब 758 करोड़ रुपये की 24 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया. समाजवादी पार्टी और कांग्रेस की राजनीति पर जोरदार हमला करते हुए कहा, जब भी मौका मिला कांग्रेस और सपा ने भारतीय मानबिंदुओं पर कुठाराघात किया है.

सीएम योगी ने कहा, सपा का इतिहास रामभक्तों के खून से सना है और कांग्रेस की जब केंद्र में सरकार थी तब उसने सुप्रीम कोर्ट में हलफनामा देकर भगवान श्रीराम को मिथक और काल्पनिक साबित करने का कुत्सित प्रयास किया. कांग्रेस और सपा जाति के नाम पर समाज को बांटने की साजिश रचकर विकास प्रक्रिया को बाधित करती हैं, इनसे आमजन को सतर्क रहना होगा. बांसस्थान में आयोजित जनसभा में मुख्यमंत्री ने कहा कि विकास का कोई विकल्प नहीं हो सकता है. समाज को जाति और वर्ग के नाम पर बांटने की साजिश विकास प्रक्रिया में बाधक बनती है. यही कार्य कांग्रेस और समाजवादी पार्टी की सरकारें करती थीं, इसलिए उनसे विकास नहीं होता था. इन पार्टियों की सरकार में विकास की बजाय हिंदुओं का अपमान होता था. सीएम योगी ने कहा, कांग्रेस शुरुआत से ही हिंदू आस्था के साथ खिलवाड़ करती रही है. भगवान सोमनाथ मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा में जब तत्कालीन राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद को बुलाया गया, तब भी इसका विरोध कांग्रेस ने ही किया था. कांग्रेस के साथ सपा को भी कटघरे में खड़ा करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा, सपा के बारे में तो कहना ही क्या, सपा का इतिहास रामभक्तों के खून से सना है. मुख्यमंत्री ने कहा, कांग्रेस और सपा की सरकारों ने भारत की आस्था को अपमानित किया है. उनकी सरकारों में दंगे होते थे, पर्व-त्योहार प्रतिबंधित किए जाते थे. कांवड़ यात्रा रोकी जाती थी. आज जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में भाजपा की डबल इंजन सरकार विरासत के संरक्षण और विकास के विजन के साथ आगे बढ़ रही है, तो इसे कांग्रेस और समाजवादी पार्टी पचा नहीं पा रही हैं. मुख्यमंत्री ने कहा, जितनी अच्छी कनेक्टिविटी होगी, विकास की स्पीड उतनी ही तेज होगी. जब प्रगति तेजी से होगी तो व्यक्ति, समाज और देश की समृद्धि होगी. समृद्धि से ही खुशहाली आएगी. पिपराइच विधानसभा क्षेत्र के पिछड़े हिस्से में गिने जाने वाले बांसस्थान को फोरलेन कनेक्टिविटी से जोड़े जाने पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि अब इस क्षेत्र के लोगों के मन में कोई दुविधा नहीं है. यहां हर चेहरे पर खुशहाली दिख रही है. जनसभा को संबोधित करने से पहले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बांसस्थान स्थित वामंत माता मंदिर में दर्शन पूजन किया. उन्होंने माता की आराधना कर लोक मंगल और प्रदेशवासियों के सुख, समृद्धि की प्रार्थना की.

दोस्ती की मिशाल : 35 साल बाद निभाया दोस्ती का वादा!

-1,000 रुपये उधार के बदले लौटाए 25,000; पुराने दोस्त को ढूंढने में छानी कई राज्यों की खाक

(यंग भारत न्यूज)

केरल के रहने वाले इस्माइल ने ऐसा ही कुछ किया है. करीब 35 साल पहले उन्होंने अपने दोस्त से थोड़े से पैसे उधार लिए थे. समय बीतने के साथ दोनों अलग-अलग देशों और शहरों में चले गए. मोबाइल फोन नहीं थे, सोशल मीडिया नहीं था और संपर्क पूरी तरह टूट गया. इसके बावजूद इस्माइल ने अपने मन से वह कर्ज कभी नहीं उतारा.हाल ही में उन्होंने अपने पुराने दोस्त को ढूंढने का फैसला किया. कई साल पुरानी यादों के सहारे उन्होंने तलाश शुरू की और आखिरकार तेलंगाना पहुंचकर अपने दोस्त के परिवार को 25 हजार रुपये सौंप दिए. यह कहानी अब सोशल मीडिया पर लोगों का दिल जीत रही है. यह कहानी साल 1991 की है, जब केरल के इस्माइल और तेलंगाना के एडला लच्छन्ना सऊदी अरब के अबकैक शहर में काम करते थे. दोनों एक ही कमरे में तीन अन्य भारतीय कर्मचारियों के साथ रहते थे. काम के बाद साथ खाना बनाना, बातें करना और एक-दूसरे की मदद करना उनकी रोजमर्रा की जिंदगी का हिस्सा था. करीब पांच साल तक दोनों साथ रहे और इसी दौरान उनकी दोस्ती काफी गहरी हो गई. उसी समय किसी जरूरत के कारण इस्माइल ने लच्छन्ना से 120 सऊदी रियाल उधार लिए थे. उस समय भारतीय मुद्रा में इसकी कीमत करीब 1,000 रुपये थी. पैसे लेते समय इस्माइल ने साफ कहा था कि मौका मिलते ही वह रकम लौटा देंगे. लेकिन किस्मत को कुछ और मंजूर था. कुछ समय बाद लच्छन्ना भारत लौट आए. उस दौर में न मोबाइल थे, न इंटरनेट था और न ही सोशल मीडिया था. धीरे-धीरे दोनों का संपर्क पूरी तरह खत्म हो गया. साल दर साल बीतते गए. जिंदगी अपनी रफ्तार से चलती रही, लेकिन इस्माइल के मन में वह उधार हमेशा जिंदा रहा. उन्होंने कभी यह नहीं सोचा कि रकम छोटी थी, इसलिए उसे भूल जाना चाहिए. उनके लिए यह सिर्फ पैसों का नहीं, बल्कि भरोसे और दोस्ती का मामला था. करीब तीन दशक बाद इस्माइल ने फैसला किया कि अब वह किसी भी तरह अपने दोस्त को ढूंढेंगे. लेकिन सबसे बड़ी मुश्किल यह थी कि उनके पास न कोई मोबाइल नंबर था, न घर का पता और न ही किसी रिश्तेदार की जानकारी. उन्हें सिर्फ इतना याद था कि लच्छन्ना तेलंगाना के धर्मपुरी इलाके के रहने वाले हैं. इसी एक जानकारी के आधार पर उन्होंने इंटरनेट पर खोजबीन शुरू की. इसके बाद वह खुद धर्मपुरी पहुंचे. वहां स्थानीय लोगों से पूछताछ की और आखिरकार कई कोशिशों के बाद अपने पुराने दोस्त का पता लगाने में सफल हो गए. जब इस्माइल लच्छन्ना के घर पहुंचे, तब वह खुद विदेश में काम कर रहे थे. ऐसे में दोनों की बातचीत व्हाट्सएप वीडियो कॉल पर हुई. इस्माइल ने लच्छन्ना के परिवार को 25 हजार रुपये सौंप दिए. इतने साल बाद पुराने दोस्त को सामने देखकर दोनों भावुक हो गए. वीडियो कॉल पर भी उनकी खुशी साफ दिखाई दे रही थी. यह रकम मूल उधार से कई गुना ज्यादा थी. हालांकि, इस्माइल ने यह नहीं बताया कि उन्होंने ब्याज जोड़कर रकम निकाली या सिर्फ अपनी इच्छा से ज्यादा पैसे दिए. इस पूरे घटनाक्रम से सबसे ज्यादा हैरान खुद लच्छन्ना थे. उन्होंने कहा कि उन्हें कभी उम्मीद नहीं थी कि 35 साल पहले दिए गए 120 रियाल कोई इस तरह याद रखेगा. उन्होंने बताया कि दोनों सऊदी अरब में साथ रहते थे.

मिशन 2027: यूपी में हर वोटर तक पहुंचने का रोडमैप तैयार कर रही भाजपा, क्?या है पार्टी की मंशा?

(यंग भारत न्यूज)

यूपी विधानसभा चुनाव 2027 से पहले भाजपा हर वोटर तक पहुंचने का रोडमैप तैयार कर रही है। इसके लिए वह अपने 2.5 करोड़ प्राथमिक सदस्यों की बूथवार लिस्ट तैयार कर रही है। इनके जरिए वह घर-घर हर वोटर तक पहुंचेगी।

भाजपा मुख्यालय में शनिवार को हुई प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक में प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी और महामंत्री संगठन धर्मपाल सिंह ने इस बाबत निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पदाधिकारी निरंतर प्रवास करें और बूथ सत्यापन का काम ईमानदारी से करें। भाजपा ने विधानसभा चुनाव की तैयारी तेज कर दी है। हाल ही में राष्ट्रीय अध्यक्ष ने प्रदेश, जिला, मंडल और सेक्टर की हर महीने बैठक के निर्देश दिए थे। उसी कड़ी में शनिवार को प्रदेश पदाधिकारियों की बैठक बुलाई गई थी। बैठक में प्राथमिक सदस्यों की सक्रिय भागेदारी पर चर्चा हुई। पार्टी ने अपने सदस्यता अभियान के तहत 2.5 करोड़ सदस्य बनाए थे। इनकी मंडलवार लिस्ट तो तैयार है। अब इनका बूथवार लिस्ट तैयार करने के निर्देश दिए गए। कहा गया कि ये प्राथमिक सदस्य सक्रिय हो गए तो इनके जरिये वोटरों तक पहुंच आसान होगी। प्राथमिक सदस्यों के अलावा विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों की भी लिस्ट तैयार करने के निर्देश दिए चुनाव से

पहले इनसे भी संपर्क किया जाएगा। साथ ही हर बूथ पर वर्तमान और पूर्व पदाधिकारियों से संपर्क कर उनकी लिस्ट तैयार करने के लिए कहा गया। कहा गया कि इन सबको सक्रिय करें। उन्होंने कहा कि बूथ स्तर तक प्रवास जरूरी हैं। प्रदेश पदाधिकारी जिलों में, जिला पदाधिकारी मंडल में और मंडल के पदाधिकारी बूथों का सत्यापन करें। सत्यापन की पूरी रिपोर्ट प्रदेश कार्यालय को जरूर भेजी जाए। सभी विधानसभाओं में बूथ सम्मेलन किए जाएंगे। इसमें बूथ के पदाधिकारियों के अलावा पूर्व पदाधिकारियों, लाभार्थियों और समाज के प्रमुख लोगों को बुलाया जाए। पंकज चौधरी ने कहा कि भाजपा की सबसे बड़ी ताकत उसका सशक्त बूथ संगठन है। बूथ पर काम करने वाला हर कार्यकर्ता चुनाव का वास्तविक योद्धा है। हर पदाधिकारी का दायित्व है कि वह बूथ तक लगातार प्रवास, संवाद और संगठन की गतिविधियों को गति प्रदान करे। उन्होंने कहा कि सभी पदाधिकारियों को संगठन के तय अभियानों में सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित करनी होगी। वृक्षारोपण अभियान, डिजिटल प्रशिक्षण और करगिल विजय दिवस के कार्यक्रमों को भी सक्रिय भागीदारी से सफल बनाए। प्रदेश महामंत्री संगठन धर्मपाल ने कहा कि हमारी हर गतिविधि का केंद्र बूथ होना चाहिए। नियमित प्रवास कर बूथों को सक्रिय करें। यूपी में 13.39 करोड़ वोटर हैं। भाजपा के करीब 2.5 करोड़ प्राथमिक सदस्य हैं। पार्टी की कोशिश है कि ज्यादा से ज्यादा सदस्य सक्रिय हो जाएं। यदि ये सदस्य सक्रिय हो गए तो इनके जरिए वोटरों तक पहुंचना और चुनाव के लिए माहौल बनाना आसान हो जाएगा। इसकी का खाका पार्टी तैयार कर रही है। इसके अलावा पूर्व पदाधिकारी जो निष्क्रिय हो गए है, उनको भी सक्रिय करने की तैयारी है। पार्टी को यह भी लगता है कि विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को अपने पक्ष में मोड़ना और उनके जरिए माहौल बनाने में मदद मिलेगी।

मेरिनो ने फिर पलटी बाजी, सेमीफाइनल में स्पेन

करीबी मुकाबले में बेल्जियम को 2-1 से हराया

मिकेल मेरिनो ने लगातार दूसरे मैच में कमाल दिखाया और मैदान पर उतरने के बाद अपने दूसरे मिनट में ही निर्णायक गोल दागा, जिससे स्पेन ने बेल्जियम को करीबी मुकाबले में 2-1 से हराकर विश्व कप फुटबॉल टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में प्रवेश किया।

'मैंने लगातार दूसरे मैच में ऐसा किया, इसलिए लगता है कि संयोग जैसी कोई चीज होती है। अगर आप तैयार हैं और कोशिश करते हैं तो कोई भी ऐसा कर सकता है। किस्मत ने भी मेरा साथ दिया।' मेरिनो ने अपने पहले विश्व कप में दो गोल किए हैं और ये दोनों ही ऐतिहासिक हैं।

– मिकेल मेरिनो
स्ट्राइकर, स्पेन

इंगलवुड

मेरिनो 86वें मिनट में मैदान पर आए और उन्होंने 88वें मिनट में बेल्जियम के बैकअप गोलकीपर सेने लैमेंस की गलती का फायदा उठाकर गोल कर दिया। उन्होंने बॉक्स में घुसकर तब गोल दागा जब लैमेंस पाउ कुबार्सी के लंबे शॉट पर रिबाउंड को नहीं रोक पाए थे। यह लगातार दूसरा मैच था जबकि मेरिनो ने स्थानापन्न खिलाड़ी के रूप में उतरकर निर्णायक गोल किया। मेरिनो ने पिछले मैच में स्पेन की पुर्तगाल पर 1-0 की जीत में इंजरी टाइम के शुरुआती समय में सब्स्टीट्यूट के रूप में मैदान पर आने के चार मिनट बाद ही गोल कर दिया था। स्पेन सेमीफाइनल में टूर्नामेंट के प्रबल दावेदार फ्रांस का सामना करेगा।

टूर्नामेंट में पहली बार स्पेन ने खाया गोल

स्पेन के लिए फैबियान रुइज ने 30वें मिनट में गोल किया। बेल्जियम के फॉरवर्ड चार्ल्स डी केटेलेरे ने 41वें मिनट में बराबरी का गोल दागा। यह टूर्नामेंट में पहला अवसर है जबकि स्पेन ने गोल खाया। स्पेन मार्च 2023 से लगातार 37 मैचों में अजेय रहा है। वह 2010 में खिताब जीतने के बाद पहली बार विश्व कप के सेमीफाइनल में पहुंचा है। बेल्जियम का सभी प्रतियोगिताओं में लगातार 18 मैचों में अजेय रहने का सिलसिला समाप्त हो गया।

गोलकीपर लैमेंस 71वें मिनट में उतरे मैदान पर

गोलकीपर लैमेंस को 71वें मिनट में मैदान में उतरना पड़ा, क्योंकि बेल्जियम के लंबे समय से गोलकीपर रहे थिबाउट कर्टोइस जांघ में चोट लगने के कारण मैदान से बाहर चले गए थे। बेल्जियम ने अंतिम मिनटों में बराबरी का गोल करने के लिए जीजान से प्रयास किया, लेकिन आमपेमिक लाफोर्टे ने सर्वश्रेष्ठ मौके पर शॉट बाहर मार दिया।

सेमीफाइनल में स्पेन और फ्रांस के बीच होगी भिड़ंत

स्पेन और फ्रांस के बीच मंगलवार को टेक्सास के अर्लिंग्टन में रोमांचक मुकाबला होने की संभावना है। इस साल के विश्व कप में दोनों में से कोई भी टीम हारी नहीं है। स्पेन के कोच लुइस डे ला फुएंते ने कहा, 'यह दो दिग्गज टीम के बीच मुकाबला होगा लेकिन हम मैच जीतने में सक्षम हैं। उनकी टीम शानदार है लेकिन मुझे अपनी टीम पर पूरा भरोसा है।'

फाइनल पिच के टुकड़ों को बेचेगा फीफा

ईस्ट रदरफोर्ड। विश्व फुटबॉल की सर्वोच्च संस्था फीफा विश्व कप में कमाई करने का कोई मौका नहीं गंवा रही है और अब उसने उस पिच के टुकड़ों को बेचने का फैसला भी किया है, जहां इस टूर्नामेंट का फाइनल खेला जाएगा। फीफा पहले ही विश्व कप के टिकट और अन्य चीजों को ऊंची कीमतों पर बेचने के लिए आलोचना का सामना करना पड़ रहा है और अब वह न्यू जर्सी के मेटलाइफ स्टेडियम में 19 जुलाई को होने वाले फाइनल में इस्तेमाल होने वाली पिच के प्रत्येक टुकड़े को 450 डॉलर (लगभग 43000 रुपये) की दर से बेच रहा है। फीफा के स्टोर के अनुसार प्रत्येक टुकड़े का आकार 17.5 गुणा 17.5 गुणा 17.5 है। हालांकि यह स्पष्ट नहीं किया गया है कि यह आकार इंच, सेंटीमीटर या मिलीमीटर में है। फुटबॉल के शासी निकाय ने यह जानने के लिए भेजे गए ईमेल का तुरंत जवाब नहीं दिया। फीफा की वेबसाइट पर लिखा गया है, 'फुटबॉल इतिहास के एक प्रामाणिक हिस्से को अपने पास संजोकर रखें, जो फीफा विश्व कप 2026 के (फाइनल की) पिच का एक टुकड़ा है।'

अमेरिका, मैक्सिको बाहर गिरी टिकटों की कीमत

ईस्ट रदरफोर्ड। विश्व फुटबॉल की सर्वोच्च संस्था फीफा विश्व कप में कमाई करने का कोई मौका नहीं गंवा रही है और अब उसने उस पिच के टुकड़ों को बेचने का फैसला भी किया है जहां इस टूर्नामेंट का फाइनल खेला जाएगा। फीफा पहले ही विश्व कप के टिकट और अन्य चीजों को ऊंची कीमतों पर बेचने के लिए आलोचना का सामना करना पड़ रहा है और अब वह न्यू जर्सी के मेटलाइफ स्टेडियम में 19 जुलाई को होने वाले फाइनल में इस्तेमाल होने वाली पिच के प्रत्येक टुकड़े को 450 डॉलर (लगभग 43000 रुपये) की दर से बेच रहा है। फीफा के स्टोर के अनुसार प्रत्येक टुकड़े का आकार 17.5 गुणा 17.5 गुणा 17.5 है। हालांकि यह स्पष्ट नहीं किया गया है कि यह आकार इंच, सेंटीमीटर या मिलीमीटर में है। फुटबॉल के शासी निकाय ने यह जानने के लिए भेजे गए ईमेल का तुरंत जवाब नहीं दिया। फीफा की वेबसाइट पर लिखा गया है, 'फुटबॉल इतिहास के एक प्रामाणिक हिस्से को अपने पास संजोकर रखें, जो फीफा विश्व कप 2026 के (फाइनल की) पिच का एक टुकड़ा है।

खबर संक्षेप

अनिमेष ने 100 मीटर दौड़ में हासिल किया दूसरा स्थान

वेटजलार। राष्ट्रमंडल खेलों के लिए क्वालीफाई कर चुके फर्राटा धावक अनिमेष कुजूर ने विदेशी धरती पर किसी भारतीय का 100 मीटर दौड़ में अब तक का सबसे तेज समय निकालकर 'वर्ल्ड एथलेटिक्स कॉन्टिनेंटल टूर चैलेंज प्रतियोगिता फास्ट आर्म्स फास्ट लेग्स मीट' में दूसरा स्थान हासिल किया। इस 23 वर्षीय खिलाड़ी ने फाइनल में 10.14 सेकंड के अपने व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के साथ फिनिश लाइन पार की। उन्होंने इससे पहले क्वालीफाइंग में 10.19 सेकंड का समय निकाला था।

महिला टेस्ट में इंग्लैंड पर भारत की पकड़ मजबूत

लंदन। तेज गेंदबाज क्रांति गौड़ के लाल गेंद क्रिकेट में पहले पांच विकेट के शानदार प्रदर्शन और स्मृति मंधाना के लगातार दूसरे अर्धशतक की बदौलत भारत ने इंग्लैंड के खिलाफ एकमात्र महिला टेस्ट के दूसरे दिन शनिवार को अपनी स्थिति बेहद मजबूत कर ली। दिन का खेल समाप्त होने तक भारत ने दूसरी पारी में एक विकेट पर 154 रन बना लिए थे और उसकी कुल बढ़त 269 रन की हो गई थी। मंधाना 124 गेंदों में 69 रन बनाकर नाबाद थीं और एक बार फिर भारतीय पारी की धुरी बनी रहीं।

तीरंदाजी : महिला टीम ने जीती चांदी

मैड्रिड

भारतीय तीरंदाज ज्योति सुरेखा वेन्नम, प्रिथिका प्रदीप और चिकिथा तनीपार्थी की तिकड़ी ने विश्व कप के चौथे चरण की महिला कंपाउंड टीम स्पर्धा के फाइनल में मजबूत कोलंबिया से 228-232 से हारकर रजत पदक से संतोष करना पड़ा।

इस रजत पदक के साथ भारत ने सत्र के अंतिम टूर्नामेंट में अपना खाता खोला। भारतीय दल को दिन में बाद में होने वाले मुकाबलों में पदकों की संख्या बढ़ाने की उम्मीद है। किशोर तीरंदाज प्रिथिका ने महिला कंपाउंड व्यक्तिगत स्पर्धा के सेमीफाइनल में भी जगह बना ली है और अब उन्हें दोहरा पदक जीतने के लिए केवल एक और जीत की जरूरत है।

प्रिथिका ने सेमीफाइनल में बनाई जगह

रिकर्व वर्ग में दो पदकों की दौड़ में भारत

भारत रिकर्व वर्ग में भी दो पदकों की दौड़ में बना हुआ है। एक अन्य किशोर तीरंदाज कीर्ति शर्मा भी दोहरा पदक जीतने की उम्मीद लगाए हुए हैं। कीर्ति शर्मा रिकर्व मिश्रित टीम के कांस्य पदक मुकाबले में भारत के नंबर एक तीरंदाज धीरज बोम्मदेवरा के साथ उतरेंगी। साथ ही कीर्ति महिला व्यक्तिगत स्पर्धा के सेमीफाइनल में पहुंच चुकी हैं तो एक और जीत से उनका एक और पदक सुनिश्चित हो जाएगा। महिला कंपाउंड टीम रैंकिंग में दुनिया की तीसरे नंबर की भारतीय टीम ने अप्रैल में मैक्सिको के पुएब्ला में आयोजित तीरंदाजी विश्व कप के पहले चरण में स्वर्ण पदक जीता था। हालांकि इस बार वह दुनिया की 14वें नंबर की कोलंबिया के सामने कोई खास चुनौती पेश नहीं कर सकी। कोलंबियाई टीम ने शानदार वापसी करते हुए पूरे दबदबे के साथ खिताब अपने नाम किया। सबसे ज्यादा निराशा प्रिथिका ने इस बार 11 अंक का निशाना लगाया। हालांकि टीम की सबसे बड़ी निराशा अनुभवी ज्योति सुरेखा वेन्नम का खराब प्रदर्शन से हुई, जिन्होंने अपने आठ तीरों में केवल तीन बार 10 अंक हासिल किए।

मुचोवा को हराकर नोस्कोवा बनी विम्बलडन चैंपियन

हमवतन कैरोलिना को 6-2, 5-7, 6-3 से हराया

लंदन। चेक गणराज्य की 21 वर्षीय लिंडा नोस्कोवा ने विम्बलडन में अपनी पहली ग्रैंड स्लैम ट्रॉफी जीतकर देश की गौरवशाली परंपरा को आगे बढ़ाया। चेक गणराज्य के खिलाड़ियों के बीच हुए फाइनल में नोस्कोवा ने दूसरे सेट में पांच मैच प्वाइंट गंवाने के बाद शानदार वापसी करते हुए कैरोलिना मुचोवा को 6-2, 5-7, 6-3 से हराया। नोस्कोवा विम्बलडन के महिला एकल खिताब पर कब्जा जमाने वाली पिछले चार वर्षों में अपने देश की तीसरी खिलाड़ी बन गई है। उनसे पहले मार्केटा वोंद्रोसोवा ने 2023 और बारबोरा क्रेजसिकोवा ने 2024 में यह उपलब्धि हासिल की थी। नोस्कोवा ने फाइनल में शुरुआत से दबदबा बनाते हुए पहला सेट आसानी से अपने नाम किया। दूसरे सेट में वह जीत के करीब पहुंच गई थीं, लेकिन मुचोवा ने हार नहीं मानी और पांच मैच प्वाइंट बचाते हुए मुकाबले को निर्णायक सेट तक पहुंचा दिया। नोस्कोवा ने तीसरे सेट में धैर्य बनाए रखा और शानदार प्रदर्शन करते हुए खिताब अपने नाम कर लिया। दिलचस्प

बात यह है कि मुचोवा और नोस्कोवा ने 2024 पेरिस ओलंपिक में जोड़ी बनाकर महिला युगल प्रतियोगिता में हिस्सा लिया था। जहां यह जोड़ी सेमीफाइनल तक पहुंची थी। पुरुष एकल फाइनल में रविवार को विश्व के नंबर एक खिलाड़ी यानिक सिनर अपने खिताब का बचाव करने उतरेंगे। उनका मुकाबला फ्रेंच ओपन चैंपियन अलेक्जेंडर ज्वेरेव से होगा।

बटलर और ब्रुक के तूफान में उड़ा भारत, इंग्लैंड ने 56 रन से हराया

इंग्लैंड ने 4-0 से जीती टी-20 श्रृंखला

साउथम्पटन

जोस बटलर ने अपने पुराने आक्रामक अंदाज की झलक दिखाते हुए शानदार शतक जड़ा, जबकि कप्तान हैरी ब्रुक ने भविष्य के सितारे की तरह बल्लेबाजी करते हुए तूफानी पारी खेली जिससे इंग्लैंड ने पांचवें टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले में भारत को 56 रन से हराकर पांच मैचों की श्रृंखला में 4-0 की ऐतिहासिक क्लीन स्वीप पूरी कर ली। बटलर के 54 गेंदों में 131 रन और ब्रुक के 45 गेंदों में नाबाद 95 रन की बदौलत इंग्लैंड ने तीन विकेट पर 257 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया। भारतीय गेंदबाजी आक्रमण इस मुकाबले में पूरी तरह बेअसर नजर आया। बटलर और ब्रुक ने दूसरे विकेट के लिए 238

रन की रिकॉर्ड साझेदारी की, जो टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में किसी भी विकेट के लिए सबसे बड़ी साझेदारियों में शामिल हो गई। विशाल लक्ष्य का पीछा करते हुए भारतीय टीम ने इस दौरे के सभी चार टी20 मुकाबलों में अपनी सबसे अच्छी बल्लेबाजी जरूर की, लेकिन जीत के लिए वह प्रयास काफी नहीं था। भारत की पारी 20 ओवर में आठ विकेट पर 201 रन तक ही पहुंच सकी। ईशान किशन ने 35 गेंदों में 56 रन और आलोचनाओं का सामना कर रहे तिलक वर्मा ने 25 गेंदों में 53 रन बनाए। दोनों बल्लेबाजों को खुलकर खेलने का मौका मिला, लेकिन उनकी पारियां टीम को जीत दिलाने में सफल नहीं हो सकीं। इस जीत के साथ इंग्लैंड ने भारत का टी20 अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग में 1601 दिनों से चला आ रहा शीर्ष स्थान का दबदबा भी समाप्त कर दिया। यह कप्तान श्रेयस अय्यर की अगुवाई में भारत की इस तरह मैचों में छठी हार (एक मैच बारिश के कारण रद्द हो गया था) रही।

शॉटगन विश्व कप : नीरू ने बनाया 'परफेक्ट' स्कोर, बनाई बढ़त

लोनाटो। भारत की नीरू ढांडा ने आईएसएसएफ शॉटगन विश्व कप की महिला ट्रैप प्रतियोगिता में शानदार शुरुआत करते हुए क्वालीफाइंग के पहले तीन राउंड के बाद 'परफेक्ट' स्कोर हासिल कर बढ़त बना ली है। मौजूदा एशियाई और राष्ट्रीय चैंपियन 26 वर्षीय नीरू ने लगातार तीन राउंड में 25-25 का 'परफेक्ट' स्कोर बनाकर 75 अंक हासिल किए। अपने इस शानदार प्रदर्शन से वह 106 निशानेबाजों के बीच शीर्ष पर पहुंच गई हैं। उन्होंने अपनी करीबी प्रतिद्वंद्वी अमेरिका की रेचल टोजियर और स्लोवाकिया की जुजाना रेहाक स्टेफेसोवा पर दो अंक की बढ़त हासिल कर रखी है। भारत के पुरुष ट्रैप निशानेबाजों के लिए पहला दिन निराशाजनक रहा और वे पदक की दौड़ से लगभग बाहर हो गए हैं। एशियाई खेलों के लिए भारतीय टीम में शामिल जोरावर सिंह संधू ने 75 में से 70 अंक हासिल किए और वह लगभग 40 अन्य निशानेबाजों के साथ 59वें स्थान पर हैं। भव्य भारद्वाज 68 का स्कोर बनाकर 103वें स्थान पर, जबकि अनुभवी पृथ्वीराज टोंडाइमन 67 का स्कोर बनाकर 208 निशानेबाजों में 19 अन्य खिलाड़ियों के साथ 117वें स्थान पर हैं।

एशियन एथलेटिक्स चैंपियनशिप

हरियाणा की प्रिया ने जीता कांस्य, कुल 11 पदक जीते

रोहतक

चीन के ओर्डोस शहर में आयोजित हो रही पहली अंडर-23 एशियन एथलेटिक्स चैंपियनशिप में भारतीय खिलाड़ियों का शानदार प्रदर्शन लगातार जारी है। प्रतियोगिता के तीसरे दिन तक भारतीय एथलेटिक्स टीम ने दमदार खेल दिखाते हुए 1 स्वर्ण, 2 रजत और 8 कांस्य पदक सहित कुल 11 पदक अपने नाम कर लिए हैं। इस वैश्विक मंच पर भिवानी की होनहार एथलीट प्रिया ने डिस्कस थ्रो इवेंट में देश और प्रदेश का मान बढ़ाया है। प्रिया ने 50 मीटर 44 सेंटीमीटर की बेहतरीन थ्रो फेंककर कांस्य पदक पर कब्जा किया और चीन की धरती पर भारतीय तिरंगा फहराया। खेल मीडिया प्रभारी सत्यवीर धनखड़ फरीदाबाद ने बताया कि अंडर-23 एशियन एथलेटिक्स चैंपियनशिप का यह पहला संस्करण है, जिसका आयोजन चीन के ओर्डोस में 9 जुलाई से 12 जुलाई तक किया जा रहा है। दक्षिण एशिया एथलेटिक्स के अध्यक्ष डॉ. ललित के. भनोट के कुशल निर्देशन में भारतीय एथलेटिक्स का एक बड़ा दल इस चैंपियनशिप में हिस्सा ले रहा है, जिसमें हरियाणा राज्य से भी 4 बेहतरीन एथलीट देश का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। एथलेटिक्स हरियाणा के महासचिव प्रदीप मलिक ने भारतीय टीम के अन्य विजेताओं

की जानकारी देते हुए बताया कि प्रिया के अलावा देश के कई अन्य एथलीटों ने भी शानदार पोडियम फिनिश किया है। आस्तिक प्रधान, सैंड्रा मोल साबु, सेंजु मिश्रा और श्रवणी सचिन की चौकड़ी ने 4 गुणा 400 मीटर मिक्स्ड रिले रेस में देश को गोल्ड दिलाया। शिवाजी परशुराम ने दमदार प्रदर्शन करते हुए 10 किलोमीटर दौड़ में रजत पदक अपने नाम किया। प्राची अंकुश देवकर (3 किमी स्टीपलचेज), अभय सिंह (200 मीटर दौड़), भरतप्रीत सिंह (पुरुष वर्ग डिस्कस थ्रो), हुईड्रोम (800 मीटर दौड़), शकील (पुरुष वर्ग 800 मीटर दौड़), श्रावणी सचिन (400 मीटर हर्डल) और विनोद सिंह ने (5000 मीटर दौड़) में कांस्य पदक जीते। इस शानदार सफलता पर दक्षिण एशिया एथलेटिक्स के अध्यक्ष डॉ. ललित के. भनोट, एएफआई अध्यक्ष बहादुर सिंह सागू, पूर्व महासचिव रविन्द्र चौधरी, पूर्व कोषाध्यक्ष मधुकांत पाठक, एएफआई सदस्य राजकुमार मिटान और एथलेटिक्स हरियाणा के अध्यक्ष दिलबाग सिंह ने सभी पदक विजेता खिलाड़ियों को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी।

डायमंड लीग: उपलब्धि हासिल करने वाले बने पहले भारतीय एथलीट

सर्वेश का धमाकेदार डेब्यू, ऊंची कूद में बनाया रिकॉर्ड

मोनाको

राष्ट्रीय रिकॉर्ड धारक सर्वेश कुशारे ने मोनाको में डायमंड लीग में अपने पदार्पण पर ही तीसरा स्थान हासिल करके ऊंची कूद में यह उपलब्धि हासिल करने वाला पहला भारतीय एथलीट बनकर इतिहास रचा और खुद को विशिष्ट क्लब में शामिल कर दिया।

वह इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में शीर्ष तीन में जगह बनाने वाले चौथे भारतीय खिलाड़ी बन गए हैं। 31 वर्षीय खिलाड़ी ने कई स्टार खिलाड़ियों की मौजूदगी वाली इस प्रतियोगिता में 2.26 मीटर की कूद लगाकर तीसरा स्थान हासिल किया। वह पिछले महीने भुवनेश्वर में राष्ट्रीय अंतरराज्यीय चैंपियनशिप में 2.31 मीटर का राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाने के महज दो सप्ताह बाद इस प्रतियोगिता में भाग ले रहे थे।

शीर्ष तीन में जगह बनाने वाले चौथे भारतीय बने कुशारे

कुशारे भाला फेंक के सुपरस्टार नीरज चोपड़ा (2022 से 13 बार), लंबी कूद के खिलाड़ी मुरली श्रीशंकर (2023 में एक बार) और चक्का फेंक के पूर्व एथलीट विकास गौड़ा (2015 में दो बार) के बाद डायमंड लीग प्रतियोगिता में शीर्ष तीन में जगह बनाने वाले चौथे भारतीय बन गए हैं। कुशारे ने तीसरे स्थान पर रहकर कतर के दो बार के विश्व चैंपियन और तोक्यो ओलंपिक के स्वर्ण पदक विजेता मुताज एस्सा बर्शिम और अमेरिका के 2023 विश्व चैंपियनशिप के रजत पदक विजेता जुवौन हैरिसन जैसे स्टार खिलाड़ियों को पीछे छोड़ा।

डोरोशचुक ने जीता खिताब

बर्शिम 2.20 मीटर के प्रयास के साथ संयुक्त आठवें स्थान पर रहे। यूक्रेन के विश्व इंडोर चैंपियन ओलेह डोरोशचुक ने 2.32 मीटर की कूद लगाकर खिताब जीता, जबकि ग्रेट ब्रिटेन के जोएल क्लार्क 2.30 मीटर की कूद के साथ दूसरे स्थान पर रहे। क्लार्क तीन प्रयासों में भी 2.32 मीटर की कूद नहीं लगा सके, जबकि डोरोशचुक ने इसे अपने पहले ही प्रयास में हासिल कर दिखाया। क्लार्क भाग्यशाली रहे क्योंकि वह अपने तीसरे प्रयास में ही 2.16 मीटर की ऊंचाई को पार कर सके थे, जबकि कुशारे ने इसे आसानी से पार कर लिया।

आज ज़ी सिनेमा पर 'मावीरन' का वर्ल्ड टेलीविजन प्रीमियर...

मुंबई। ज़ी सिनेमा पर अभिनेता शिवकार्तिकेयन अभिनीत सुपरहिट एक्शन-फैंटेसी फिल्म मावीरन का वर्ल्ड टेलीविजन प्रीमियर आज 12 जुलाई को रात आठ बजे होगा। निर्माताओं ने बताया कि निर्देशक मैडोना अश्विन की फिल्म मावीरन एक्शन, कॉमेडी, फैंटेसी और भावनाओं का अनूठा संगम है। फिल्म की कहानी सत्या नामक एक कार्टूनिस्ट के इर्द-गिर्द घूमती है, जो टकराव से बचने वाला साधारण युवक है। एक हादसे के बाद उसे एक रहस्यमयी आवाज सुनाई देने लगती है, जो उसके जीवन की दिशा बदल देती है। इसके बाद वह अपने भीतर छिपे साहस को पहचानते हुए एक भ्रष्ट नेता के खिलाफ बेबस लोगों के लिए न्याय की लड़ाई लड़ता है।

लाइफStyle

प्रियंका

'द साइकिल ऑफ लव' का ट्रेलर जारी

प्रियंका चोपड़ा ने अपनी डॉक्यूमेंट्री फिल्म 'द साइकिल ऑफ लव' का ट्रेलर जारी किया है। वह फिल्म से बतौर कार्यकारी निर्माता जुड़ी हैं, जबकि इसका निर्देशन ऑरलैंडो वॉन आइन्सीडेल ने किया है।

एजेंसी ▶▶ मुंबई

प्रियंका चोपड़ा ने अपनी डॉक्यूमेंट्री फिल्म 'द साइकिल ऑफ लव' का ट्रेलर जारी किया है। वह फिल्म से बतौर कार्यकारी निर्माता जुड़ी हैं, जबकि इसका निर्देशन ऑरलैंडो वॉन आइन्सीडेल ने किया है। इसकी कहानी 1970 के दशक में घटित दिल्ली के रहने वाले 23 वर्षीय कलाकार पीके महानंदिया पर आधारित है, जो सच्चे प्यार की तलाश में भारत से स्वीडन तक 6,000 मील की यात्रा पर साइकिल से निकले थे। ये सेकंड-हैंड साइकिल उन्होंने अपनी पेंटिंग्स बेचकर खरीदी थी। प्रियंका ने लिखा, 'जब मैंने पहली बार उस यात्रा की कहानी सुनी पीके महानंदिया प्यार के लिए महाद्वीपों की साइकिल यात्रा की कहानी सुनकर मैं दंग रह गई। ये उन दुर्लभ, अविश्वसनीय सच्ची कहानियों में से एक है जो लंबे समय तक आपके मन में रहती है।' उन्होंने निर्देशक का आभार जताते हुए लिखा, 'ये फिल्म आशा और अपने दिल की बात मानने के साहस की एक गहरी मानवीय कहानी है। मुझे आपके साथ ट्रेलर साझा करके खुशी हो रही है।' अभिनेत्री ने आगे लिखा, 'फिल्म 28 अगस्त को अमेरिका और 18 सितंबर को ब्रिटेन में रिलीज होगी। जल्द अन्य अंतरराष्ट्रीय रिलीज तारीखों की घोषणा होगी।

हॉलीवुड मसाला

शादी के बाद पहली बार दिखे

लॉस एंजिल्स। कैलिफोर्निया में जूलू (?) टैलर स्विफ्ट की शादी हुई, जहां टेलर स्विफ्ट और ट्रैविस केल्सी शादी के बाद पहली बार पति-पत्नी के रूप में एक साथ किसी बड़े कार्यक्रम में शामिल हुए। इस दौरान टेलर स्विफ्ट गुलाबी फूलों वाले एक बेहद खूबसूरत गाउन में नजर आईं, जिसने सबका ध्यान खींचा। वहां टेलर स्विफ्ट ने अपनी शादी की अंगूठी भी दिखाई, वहीं ट्रैविस केल्सी क्लासिक ब्लैक सूट में काफी हैंडसम लग रहे थे। इसी महीने की शुरुआत में शादी के बंधन में बंधने के बाद ये इस नई शादीशुदा जोड़ी की पहली बड़ी सार्वजनिक उपस्थिति थी।

'ड्यून: पार्ट 3' का धमाकेदार ट्रेलर जारी

लॉस एंजिल्स। हॉलीवुड की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'ड्यून: पार्ट 3' इस साल बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचाने के लिए तैयार है। डेनिस विलेन्यूव द्वारा निर्देशित फिल्म में टिमोथी शालमे, जेंडया और रॉबर्ट पैटिंसन की पहली आधिकारिक झलक पहले ही जारी हो चुकी थी। अब निर्माताओं ने फिल्म का धमाकेदार ट्रेलर जारी कर दिया है, जो भविष्य के आने वाले खूंखार युद्ध का संकेत देता है। साइंस-फिक्शन से भरपूर यह फिल्म पिछली फिल्मों की तरह अपने और अधिकारी कहानी है, जिसमें दमदार विजुअल्स शामिल हैं। 'ड्यून: पार्ट 3' की कहानी 17 साल आगे से शुरू होती है। इस बार पॉल एट्रीडीज (टिमोथी) के सामने उसका कहलाने वाला खतरनाक स्काइटेल (रॉबर्ट) खड़ा है। यह उसके साम्राज्य ध्वस्त करना चाहता है। उधर, पॉल और चानी (जेंडया) के रिश्ते में दूरियां आ चुकी हैं।

'गोलमाल 5' में धमाल मचाएंगी प्रियामणि

मुंबई। रोहित शेट्टी एक बार फिर 'गोलमाल' फ्रैंचाइजी की दुनिया में कदम रख चुके हैं। इस सुपरहिट फिल्म की 5वीं किस्त के साथ अजय देवगन और उनकी पूरी पलटन लौटने के लिए तैयार है। काफी समय से चर्चा थी कि इस बार निर्माता फिल्म में महिला अभिनेत्री को शामिल नहीं करेंगे और यह पूरी तरह से पुरुष प्रधान फिल्म होगी। अब फिल्म पर आई ताजा जानकारी पिछले दावे से पूरी तरह उलट है, क्योंकि एक अभिनेत्री इसमें शामिल हो गई हैं। रिपोर्ट के अनुसार, 'गोलमाल 5' से अभिनेत्री प्रियामणि का नाम जुड़ चुका है। 'फैमिली मैन' और 'आर्टिकल 370' जैसी फिल्मों व सीरीज से चर्चा बटोरने वाली अभिनेत्री फिल्म में एक नकारात्मक किरदार निभाती हुई दिखाई देंगी।

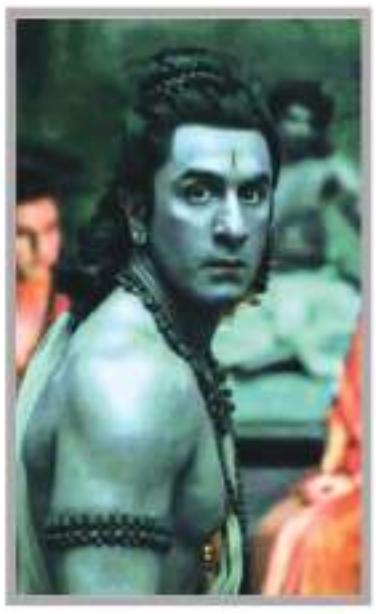

रामायण का ट्रेलर 24 को होगा रिलीज

मुंबई। निर्माता नमित मल्होत्रा की बहुप्रतीक्षित फिल्म रामायणम का ट्रेलर 24 जुलाई को दुनिया भर में रिलीज किया जाएगा। मेकर्स ने सोशल मीडिया के माध्यम से इसकी आधिकारिक घोषणा करते हुए कहा कि फिल्म का ट्रेलर वैश्विक स्तर पर एक साथ प्रीमियर होगा। फिल्म का निर्देशन नितेश तिवारी ने किया है। इसमें रणबीर कपूर भगवान राम, साई पल्लवी सीता, यश रावण, सनी देओल हनुमान और रवि दुबे लक्ष्मण की भूमिका में नजर आएंगे। इसका पहला भाग दिवाली 2026 और दूसरा भाग दिवाली, 2027 में सिनेमाघरों में प्रदर्शित किया जाएगा। मेकर्स के अनुसार, दो भागों में बनाई जा रही इस महागाथा का उद्देश्य भारत के सबसे प्रतिष्ठित महाकाव्यों में से एक रामायण को भव्य सिनेमाई प्रस्तुति, भावनात्मक गहराई और अत्याधुनिक विजुअल इफेक्ट्स के साथ वैश्विक दर्शकों तक पहुंचाना है।

टीवी मसाला

जेब खर्च के खातिर किया छोटा-मोटा काम, 'स्प्लिट्सविला' ने चमका दी किस्मत

नई दिल्ली। एक्टर पारस छाबड़ा ने टीवी की दुनिया में अपनी एक अलग पहचान बनाई है। आज भले ही वे बड़ा नाम बन चुके हैं, लेकिन उनकी किस्मत का सितारा चमका था साल 2012 में आए शो 'स्प्लिट्सविला 5' से।

शो ने दिल्ली के लड़के को देखते ही देखते घर-घर में मशहूर कर दिया। पारस छाबड़ा ने न सिर्फ शो में अपना जलवा बिखेरा, बल्कि आकांक्षा पुरी के साथ मिलकर सीजन की ट्रॉफी भी अपने नाम की थी। एक जीत ने उनके लिए ग्लैमर वर्ल्ड के दरवाजे हमेशा के लिए खोल दिए। पारस का सफर आसान नहीं था। उन्होंने बहुत छोटी उम्र में ही अपने पिता को खो दिया था। उनकी मां उर्वशी छाबड़ा ने अकेले ही बेहद मुश्किल हालातों में उनकी परवरिश की। मां के इसी स्ट्रगल को देखकर पारस के अंदर भी कुछ बड़ा करने की जिद पैदा हुई। कॉलेज की पढ़ाई के दौरान ही उन्होंने मॉडलिंग में हाथ आजमाना शुरू कर दिया था। उन्होंने शुरुआती दिनों में जेबखर्च के लिए कई छोटे-मोटे काम भी किए उन्हें धीरे-धीरे विज्ञापनों में काम मिलने लगा।

'बिग बॉस 13' साबित हुआ टर्निंग प्वॉइंट - पारस ने 'स्प्लिट्सविला 5' की कामयाबी के बाद कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा। वे 'द जंक्शन' में दिखे और साल 2015 में दोबारा 'स्प्लिट्सविला 8' का हिस्सा बने। उन्होंने टीवी सीरियल्स का रुख किया और 'बढ़ो बहू', 'अघोरी', 'कलीरें' और 'आशीर्वाद' जैसे शोज में अपनी एक्टिंग का दम दिखाया। ऐतिहासिक सीरियल में निभाया गया उनका रावण का किरदार दर्शकों को खूब पसंद आया। लेकिन उनके करियर का सबसे बड़ा टर्निंग पॉइंट साल 2019 में आया, जब उन्होंने बिग बॉस 13 में एंट्री ली। वे शो के टॉप 6 तक पहुंचे और फिनाले के दिन 10 लाख का सूटकेस लेकर शो से बाहर आ गए।

सिद्धार्थ की फिल्म 'वन' की बदली रिलीज तारीख

मुंबई। सिद्धार्थ मल्होत्रा की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'वन- फोर्स ऑफ द फॉरेस्ट' अब 28 अगस्त को नहीं आएगी। निर्माता बालाजी मोशन पिक्चर्स ने एक मोशन पोस्टर

जारी करते हुए इसकी नई रिलीज तारीख का ऐलान किया है। दीपक मिश्रा और अरुणभ कुमार द्वारा निर्देशित यह फिल्म पहले रक्षाबंधन के अवसर पर सिनेमाघरों में आनी थी। चूंकि उसी तारीख में श्रद्धा कपूर की 'ईथा' और यश की 'टॉक्सिक' रिलीज हो रही है। इस टकराव से बचने के लिए ये फैसला लिया गया है। निर्माता एकता कपूर ने 'वन' का अपडेटेड मोशन पोस्टर जारी किया है, जिसमें सिद्धार्थ लिए एक व्यक्ति कुल्हाड़ी और बंदी से घिरा हुआ है। उसकी आंखें और पिशाचों की झलक दिखाई गई है। पोस्टर के साथ कैप्शन दिया गया, 'यह वन पहाड़ है... यही उसकी शक्ति है। और यह... उसकी कहानी।' फिल्म में सिद्धार्थ के साथ तमन्ना भाटिया मुख्य किरदार में हैं। यह अब 25 सितंबर, 2026 को सिनेमाघरों में आएगी। इसके बाद अमेजन प्राइम वीडियो पर दस्तक देगी।

राजकुमार राव की कई फिल्में बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचाने तैयार...

मुंबई। अभिनेता राजकुमार राव के अभिनय के लोग दीवाने हैं। अब वह एक बार फिर कई बड़े प्रोजेक्ट्स के साथ बड़े पर्दे पर धमाल मचाने के लिए तैयार हैं। उनकी करीब 6 आगामी फिल्में चर्चा में हैं, जिनमें से 2 इसी साल रिलीज होंगी, जबकि 4 फिल्में 2027 में सिनेमाघरों में दस्तक देंगी। फैंस के बीच उनकी आने वाली फिल्मों को लेकर जबरदस्त उत्साह है। ऐसे में आइए देखते हैं राजकुमार की आने वाली फिल्मों की पूरी सूची।

'प्रहार- द उज्ज्वल निकम स्टोरी' और 'रफ्तार': कोर्टरूम ड्रामा फिल्म 'प्रहार- द उज्ज्वल निकम स्टोरी' इस साल 7 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इस फिल्म में राजकुमार के साथ-साथ वामिका गब्बी, जयदीप अहलावत और सिकंदर खेर भी मुख्य किरदार में हैं। राजकुमार की थ्रिलर फिल्म 'रफ्तार' इसी साल 16 अक्टूबर को रिलीज होगी। इस फिल्म में राजकुमार के साथ कीर्ति सुरेश, अनुराग ठाकुर, रोहन वर्मा, तन्मय भविष्कलाल और रजत कपूर मुख्य भूमिका में हैं।

'दादा- द सौरव गांगुली स्टोरी' और 'भेड़िया 2': भारतीय क्रिकेटर सौरव गांगुली की बायोपिक फिल्म 'दादा- द सौरव गांगुली स्टोरी' 14 मई, 2027 में रिलीज होगी। विक्रमादित्य मोटवानी के निर्देशन में बनी इस फिल्म में राजकुमार मुख्य किरदार में दिखाई देंगे। मैडॉक हॉरर कॉमेडी यूनिवर्स की फिल्म 'भेड़िया 2' साल 2027 तक रिलीज हो सकती है। इस फिल्म में वरुण धवन मुख्य किरदार में नजर आएंगे। वहीं राजकुमार एक कैमियो भूमिका में दिखाई देंगे।

'स्त्री 3' और 'छोटी स्त्री': हॉरर-कॉमेडी फिल्म 'स्त्री' के दोनों पार्ट के हिट होने के बाद अब निर्माता इसका तीसरा पार्ट बनाने जा रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह फिल्म 2027 में रिलीज होने वाली है। इस फिल्म में राजकुमार और श्रद्धा कपूर साथ नजर आएंगे। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, एनिमेटेड स्पिन-ऑफ फिल्म 'छोटी स्त्री' आने वाली है। इस फिल्म में राजकुमार और श्रद्धा नजर आ सकते हैं। हालांकि, मेकर्स ने इसकी रिलीज की तारीख और कास्ट का खुलासा नहीं किया है।

सनी देओल की इन फिल्मों ने की थी खूब कमाई, जीत लिए थे सबके दिल

मुंबई। बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता सनी देओल अपनी दमदार अदाकारी और एक्शन फिल्मों के लिए मशहूर हैं। उनकी लीगल कोर्टरूम ड्रामा 'इक्का' अब नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम हो रही है। अगर आप इस फिल्म को देखने की योजना बना रहे हैं, तो उससे पहले सनी की उन सुपरहिट फिल्मों पर भी नजर डालिए, जिन्होंने बॉक्स ऑफिस पर शानदार प्रदर्शन किया और करोड़ों की कमाई कर दर्शकों का दिल जीत लिया था।

'गदर 2' और 'गदर: एक प्रेम कथा'

सनी की सबसे कमाऊ फिल्मों की सूची में सबसे पहला नाम 'गदर 2' का है, जो 2023 में रिलीज हुई थी। इस फिल्म ने 686 करोड़ रुपये की जबरदस्त कमाई की थी। इस फिल्म में सनी के साथ-साथ अमीषा पटेल भी मुख्य भूमिका में थीं। 'गदर: एक प्रेम कथा' का नाम इस सूची में दूसरे नंबर पर है। ये साल 2001 में रिलीज हुई थी। इसने उस समय दुनियाभर में 132.6 करोड़ रुपये की कमाई की थी।

'जाट' और 'यमला पगला दीवाना'

एक्शन-ड्रामा फिल्म 'जाट' साल 2025 में रिलीज हुई थी। इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर कुल 126 करोड़ की कमाई की थी। फिल्म में सनी के अलावा रणदीप हुड्डा भी मुख्य भूमिका में थे। कॉमेडी फिल्म 'यमला पगला दीवाना' 2011 में रिलीज हुई थी। इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर 88.55 करोड़ रुपये की कमाई की थी। इस फिल्म में सनी के साथ-साथ उनके दिवंगत पिता धर्मेंद्र और बॉबी देओल भी थे।

'बॉर्डर'

निर्देशक जेपी दत्ता के निर्देशन में बनी फिल्म 'बॉर्डर' (1997) भारतीय सिनेमा की सबसे बेहतरीन और ऐतिहासिक देशभक्ति फिल्मों में से एक है। यह फिल्म 1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध के दौरान हुई 'लोंगेवाला की लड़ाई' पर आधारित है। फिल्म में सनी देओल ने मेजर कुलदीप सिंह चांदपुरी का दमदार और यादगार किरदार निभाया था। उनके साथ सुनील शेट्टी, जैकी श्रॉफ और अक्षय खन्ना जैसे कलाकारों ने भी शानदार अभिनय किया। इसने 64.98 करोड़ रुपये की रिकॉर्डतोड़ कमाई की थी।

'धमाल 4' के आगे 'अल्फा' ने टेके घुटने 2 करोड़ रुपए कमाने में भी छूटे पसीने...

'धमाल 4' ने पहले दिन कमाए इतने करोड़

'धमाल 4' ने रिलीज के पहले दिन बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचा दिया है। फिल्म ने पहले ही दिन 10 करोड़ से ज्यादा की कमाई की है। सैकनिल्क की रिपोर्ट के मुताबिक, इस कॉमेडी फिल्म ने रिलीज के पहले दिन 13.75 करोड़ रुपये के साथ अपना खाता खोला है। इंद्र कुमार के निर्देशन में बनी 'धमाल 4' में रितेश देशमुख, अरशद वारसी, जावेद जाफरी, संजय मिश्रा, रवि किशन, अंजलि आनंद, ईशा गुप्ता और संजीदा शेख भी अहम भूमिका में हैं।

मुंबई। बॉक्स ऑफिस पर इस शुक्रवार यानी 10 जुलाई को अजय देवगन की कॉमेडी फिल्म 'धमाल 4' रिलीज हुई। फिल्म ने सिनेमाघरों में आते ही तहलका मचा दिया है। भले ही फिल्म को दर्शकों और समीक्षकों से मिली-जुली प्रतिक्रिया मिली, लेकिन पहले दिन कमाई के मामले में इसने बाजी मार ली है। आलम ये है कि फिल्म के आगे आलिया भट्ट और शरवरी वाघ की एक्शन-थ्रिलर 'अल्फा' पूरी तरह पस्त हो गई है। आइए जानें दोनों फिल्मों की कमाई।

'धमाल 4' की आंधी में उड़ी 'अल्फा'

'धमाल 4' के रिलीज होते ही आलिया भट्ट की स्पाई थ्रिलर 'अल्फा' की कमाई को बड़ा झटका लगा है। पहले हफ्ते में 47.45 करोड़ कमाने वाली ये फिल्म अपने आठवें दिन (दूसरे शुक्रवार) बॉक्स ऑफिस पर पस्त नजर आई। फिल्म आठवें दिन 2 करोड़ भी नहीं कमा सकी और महज 1.65 करोड़ रुपये पर सिमट गई। इसके साथ ही 'अल्फा' का 8 दिनों का कुल कारोबार 49.10 करोड़ रुपये हो गया है।

धनुष और वेत्रिमारन की ब्लॉकबस्टर जोड़ी की वापसी, 'तमिल मुरुगन' का पहला प्रोमो रिलीज

मुंबई। तमिल सिनेमा के सुपरस्टार धनुष ने निर्देशक वेत्रिमारन के साथ अपनी बहुप्रतीक्षित फिल्म 'तमिल मुरुगन' का पहला प्रोमो जारी कर दिया है। इस प्रोमो के सामने आने के बाद से ही फैंस के बीच फिल्म को लेकर उत्सुकता काफी बढ़ गई है। ये फिल्म अविभाज्य की एक वंचित विरासत पर आधारित है, जो तमिल इतिहास के एक बेहद महान और शक्तिशाली योद्धा की कहानी को बयां करती है। इस ऐतिहासिक गाथा का विशेष जिक्र तमिल के प्राचीन संगम साहित्य में भी मिलता है। इस फिल्म के साथ तमिल सिनेमा के सुपरस्टार धनुष और दिग्गज निर्देशक वेत्रिमारन एक बार फिर इतिहास दोहराने के लिए तैयार हैं। ये पांचवीं बार है, जब ये सुपरहिट जोड़ी किसी फिल्म के लिए एक साथ आई है। इससे पहले यह जोड़ी 'पोल्लाधवन', 'आडुकलम', 'वडा चेन्नई' और 'असुरन' जैसी ब्लॉकबस्टर फिल्में दे चुकी है, जिन्होंने न सिर्फ बॉक्स ऑफिस पर कमाई की, बल्कि राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार भी अपने नाम किए।

एक पेड़ मां के नाम' लगाकर बुन्देलखण्ड को बनाए हरा भरा : उपमुख्यमंत्री

आइए मिलकर कदम बढ़ाएं- माँ के नाम एक पेड़ लगाएंः- उप मुख्यमंत्री

-विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को किया लाभान्वित, 'एक पेड़ माँ के नाम' सहजन लगाने का किया अनुरोध

(यंग भारत न्यूज)

झांसी। आज प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने जनपद झांसी में रानी लक्ष्मीबाई मेडिकल कॉलेज प्रांगण में हरित प्रदेश उत्तर प्रदेश 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान का समस्त जन प्रतिनिधियों एवं अधिकारियों संग विधिवत पूजा अर्चना करते हुए शुभारंभ किया।

बृहत् वृक्षारोपण अभियान का शुभारंभ करते हुए उपमुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य ने उपस्थित समस्त जनप्रतिनिधियों सहित स्वयं सहायता समूह की 100 दीदियों सहित वृक्षारोपण किया और उन्होंने आवाहन करते हुए कहा कि जो पेड़ लगाया गया है वह जीवित रहे, इसे अवश्य सुनिश्चित किया जाए।उन्होंने जनपद में आज 01 करोड़ 03 लाख पौधों का रोपण किए जाने पर शुभकामनाएँ दीं और सभी पौध की सुरक्षा करे जाने के भी निर्देश दिए। वृक्षारोपण कार्यक्रम के पश्चात रानी लक्ष्मीबाई मेडिकल कॉलेज, झांसी में यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के 'एक पेड़ माँ के नाम' महाभियान से प्रेरित 'वृक्षारोपण महायज्ञ- 2026' के अन्तर्गत आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों,स्वयं सहायता समूह की दीदियों एवं उपस्थित जनमानस व अधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि माननीय प्रधानमंत्री एवं यशस्वी मुख्यमंत्री के निर्देशन में आज प्रदेश में 35 करोड़ पौधों का रोपण कर एक इतिहास रचा जा रहा है,इसमें हम सभी भागीदार बने। उन्होंने बताया कि उक्त कार्यक्रम में दोपहर 12 बजे तक संपूर्ण प्रदेश में 17 करोड़ पौधों का रोपण किया जा चुका है। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि ग्लोबल वार्मिंग की चर्चा अभी नगर विधायक श्री रवि शर्मा द्वारा की गई,यह एक दुनिया के सामने बड़ा संकट है। भारत हर संकट का बहुत ही दृढ़ता के साथ सामना करते हुए बाहर निकलने का प्रयास कर रहा है। उन्होंने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री जी ने सम्पूर्ण भारतवासियों का आह्वान किया कि 'एक पेड़ माँ के नाम' लगाने और उसको बचाने का आह्वान किया जो एक अच्छा प्रयास है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2017 से 2026 अब तक जितने भी वृक्षों का रोपण किया गया है, उन्हें बचाने के प्रयासों में कोई कमी नहीं आई, इसे अवश्य सुनिश्चित किया जाए। ग्लोबल वार्मिंग की एक वजह यह भी है कि हमारे लोगों ने समय पर ध्यान नहीं दिया और ऐसे वृक्षों की कटान का काम शुरू कर दिया जिन्हें हमें नहीं काटना चाहिए था, उन्होंने कहा लकड़ियों के सामान बनाने में इनकी जरूरत है, हमने फलदार वृक्षों को काट डाला।हमें जो नहीं काटना चाहिए था उनको ही काट डाला इसलिए इस प्रकार की समस्या आ रही है। उन्होंने कहा कि आज यह अभियान बहुत सही समय पर प्रारंभ हुआ है क्योंकि अभी अभी वर्षा हो गई है, जो वृक्ष लगाने हैं। आप उन्हें संतान की तरह उसकी परवरिश करें। उन्होंने कहा, यदि कोई माँ अपने बच्चे का सही लालन पालन न करें। उसकी सेवा न करें तो क्या वह सुरक्षित रह सकता है? बच्चे की जीवन यात्रा को आगे बढ़ा सकता है,नहीं। उन्होंने बताया कि आज हमारे गाँव और शहर में लाखों प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री आवास के लाभार्थी हैं। सभी आवास के लाभार्थियों एक पेड़ सहजन को मां के नाम अवश्य लगाएं और उसका लालन पालन करें। उन्होंने प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के लाभार्थियों, प्रधानमंत्री गरीब कल्याण के लाभार्थी सहित किसान सम्मान निधि प्राप्त कर रहे लाभार्थी सभी को एक वृक्ष लगाने और उसको अपने बच्चों की तरह परवरिश कर सुरक्षित रखने का सुझाव दिया। उन्होंने अपने उद्बोधन में कहा कि हमारे प्रदेश का पहले विकास नहीं हुआ। वर्तमान में बहुत तीव्र गति से विकास हो रहा है और विकास जहां होता है वहां बड़े पैमाने पर खनन सामग्री की आवश्यकता पड़ती है, वन क्षेत्र घट जाता है, जहां विकास होता है वहां वन क्षेत्र घट जाता है लेकिन उत्तर प्रदेश में ऐसा नहीं हुआ हमारा वन क्षेत्र भी बड़ा और हमारे प्रदेश का विकास भी हो रहा है और विरासत को भी संरक्षित करने का काम किया जा रहा है। पर्यावरण और जल संरक्षण करने का भी काम किया जा रहा। उन्होंने कहा, वृक्षारोपण कार्यक्रम में मेरा सौभाग्य है कि इस बार मेरी ड्यूटी झांसी के लिए लगाई गई। मुझे व्यक्तिगत तौर से बहुत खुशी हुई और जब आगे कभी कोई कार्यक्रम बनेगा तो झांसी में आकर जो पेड़ मैने लगाया है उसे अवश्य देखूँगा। आज जो वृक्षारोपण किया जा रहा है,अगर हम समय पर पानी और खाद् ठीक प्रकार से उपलब्ध करा दें, तो हर वृक्ष आगे बढ़ सकता है। जीवित रह सकता है उसका जो लाभ है वह समाज को प्राप्त हो सकता है।उन्होंने आह्वान किया कि आज जो पौध लगेगी, उसका लाभ हमें नहीं, हमारी आने वाली पीढ़ी को मिलेगा। उन्होंने खेत को सुरक्षित रखने के लिए बाढ़ पौधारोपण करते हुए लगाए जाने का सुझाव दिया, ताकि पर्यावरण के साथ साथ खेत की सुरक्षा और आमदनी दोनों में बढ़ोतरी हो। उन्होंने बुन्देलखण्ड में नए एक्सप्रेस वे की स्वीकृति पर जनपदवासियों को बधाई देते हुए कहा कि आने वाले समय में डबल इंजन की जो सरकार है उसका सर्वाधिक फोकस बुंदेलखंड को हर प्रकार से विकास के पथ पर आगे ले जाने का है। पहले जो सरकारें थी बुन्देलखण्ड का वोट लेने के बाद बुन्देलखण्ड का विकास नहीं करती थी, लेकिन अब ऐसा नहीं है, बुन्देलखण्ड में अब रोजगार उपलब्ध है, अन्य के प्रदेश से आने वाले को भी यहाँ रोजगार मिल रहा है। उन्होंने किसानों को पीएम सूर्य घर का योजना का लाभ लेने का आह्वान किया, जिसके माध्यम से नलकूप संचालित होंगे और बिजली का बिल भी नहीं आएगा। इस दौरान 110 स्वयं सहायता समूहों को 01.50 लाख रुपए की धनराशि से कुल 01 करोड़ 65 लाख का चेक एवं 277 स्वयं सहायता समूहों को 30000 रूपे की धनराशि से कुल 83.10 लाख की धनराशि का रिवॉल्विंग फंड का चेक वितरित किया। इसके अतिरिक्त 05 लाभार्थियों को प्रधानमंत्री मुख्यमंत्री आवास की चाबी सौंपी गई,09 सखियों को उत्कृष्ट कार्य करने पर सम्मानित किया गया। इसके साथ ही तीन ग्राम प्रधान, जिन्होंने क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य किया, उन्हें प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस दौरान वृक्षारोपण महायज्ञ में उत्कृष्ट कार्य करने पर हेल्पिंग हैंड सेवा संस्थान के अध्यक्ष श्री सत्येंद्र श्रीवास्तव, मानवता की ओर एक कदम एवं गौरैया बचाव अभियान अध्यक्ष जन जगमोहन बड़ौनिया, लार्ड महाकालेश्वर इंटर कॉलेज बाहर खण्डे बड़ा गेट झाँसी प्रबंधक श्री विशाल गुप्ता सहित पेंटिंग प्रतियोगिता में सफल प्रतिभागियों।निबंध प्रतियोगिता में सफल प्रतिभागियों सहित तीन वन विभाग के अधिकारियों को भी प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। 'एक पेड़ माँ के नाम' पौधारोपण अभियान के अंतर्गत एक पौधा रोपित किया तथा इस पौधरोपण महायज्ञ के संदेश को झांसीवासियों तक पहुंचाने हेतु वाहन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। आइए, माँ के प्रति सम्मान और प्रकृति के प्रति अपने दायित्व का निर्वहन करते हुए 'एक पेड़ माँ के नाम' अवश्य लगाएँ तथा 35 करोड़ पौधरोपण के इस हरित महा अभियान में अपनी सहभागिता सुनिश्चित करें। इस अवसर पर भाजपा महानगर अध्यक्ष श्री सुधीर सिंह जी, भाजपा जिलाध्यक्ष श्री प्रदीप पटेल जी, उत्तर प्रदेश उपभोक्ता सहकारी संघ लिमिटेड के मा. सभापति (दर्जा प्राप्त राज्यमंत्री) श्री जमुना प्रसाद कुशवाहा जी, मा. महापौर श्री बिहारी लाल आर्य जी, जिला पंचायत अध्यक्ष श्री पवन गौतम,विधान परिषद के मा. सदस्यगण डॉ. बाबू लाल तिवारी जी, श्री राम तीर्थ सिंघल जी, मा. विधायकगण श्री राजीव सिंह 'पारीछा' जी, श्री जवाहर लाल राजपूत जी, डॉ. रश्मि आर्य जी, मा. जनप्रतिनिधिगण एवं अन्य प्रतिष्ठितजन की गरिमामयी उपस्थिति रही।

'एक पेड़ माँ के नाम' बृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम में जिलाधिकारी श्री गौरांग राठी, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्री बीबीजीटीएस मूर्ति,मुख्य विकास अधिकारी श्री रामेश्वर सुधाकर सब्बनवाड, मुख्य वन संरक्षक श्री एच वी गिरीश, बुन्देलखण्ड जोन, वन संरक्षक श्री महावीर कौलजगी, प्रभागीय वनाधिकारी श्री विकास यादव, सीएमओ डॉ0 शिशिर पुरी, उप प्रभागीय वनाधिकारी श्री संतोष कुमार, उप प्रभागीय वनाधिकारी श्री ए के जैन, झांसी, श्री राज नारायण यादव, क्षेत्रीय वन अधिकारी विमलेश कुमार, श्री राजकुमार सहित वन विभाग के समस्त अधिकारी / कर्मचारीगण, एन0जी0ओ0, स्थानीय वन्यजीव / पर्यावरण प्रेमीयों सहित सभ्रांत जनों द्वारा प्रतिभाग किया गया।

उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य का 'माँ भगवती निवास' पर आत्मीय एवं गरिमामय स्वागत

-बुन्देलखण्ड की शौर्य-परंपरा की प्रतीक महारानी लक्ष्मीबाई की मूर्ति भेंट कर किया अभिनंदन

-प्रकृति के संवर्धन के लिए अधिकाधिक पौधारोपण और उनके संरक्षण का दिया संदेश

(यंग भारत न्यूज)

झाँसी। वीरांगना नगरी झाँसी आगमन के अवसर पर उत्तर प्रदेश के माननीय उपमुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य का रविवार को मनु विहार कॉलोनी स्थित 'माँ भगवती निवास' पर अत्यंत आत्मीयता, उत्साह और गरिमा के साथ स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। उनके शुभागमन से समूचा परिसर आत्मीय उल्लास और गौरव की अनुभूति से भर उठा।

इस अवसर पर अलका गेड़ा एवं मनमोहन गेड़ा, भाजपा कानपुर-बुन्देलखण्ड क्षेत्रीय सहसंयोजक, व्यापार प्रकोष्ठ ने उपमुख्यमंत्री श्री मौर्य का पारंपरिक रूप से तिलक कर एवं कमल-पुष्पों की माला पहनाकर अभिनंदन किया। एवं उन्हें शॉल, श्रीफल एवं गदा भेंट कर सम्मान किया !साथ ही बुन्देलखण्ड की गौरवशाली शौर्यगाथा, अदम्य साहस और स्वाभिमान की अमर प्रतीक वीरांगना महारानी लक्ष्मीबाई की मूर्ति को स्मृति-स्वरूप भेंट किया गया। इस आत्मीय अवसर पर उपमुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य ने उपस्थित जनसमुदाय से संवाद करते हुए प्रकृति और पर्यावरण के संरक्षण को प्रत्येक नागरिक का नैतिक एवं सामाजिक दायित्व बताया वृहद पौधारोपण अभियान में जन-जन की सक्रिय सहभागिता का आह्वान करते हुए कहा कि— 'प्रकृति का संरक्षण केवल सरकार का अभियान नहीं, बल्कि हम सभी का सामूहिक दायित्व है। प्रत्येक व्यक्ति को अधिक से अधिक पौधे लगाने चाहिए, किंतु हमारा दायित्व केवल पौधारोपण करने तक सीमित नहीं होना चाहिए। लगाए गए प्रत्येक पौधे की नियमित देखभाल, सुरक्षा और उसे वृक्ष बनने तक संरक्षित करना भी उतना ही आवश्यक है। आज रोपा गया और सहेजा गया एक पौधा आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ वायु, हरियाली और स्वस्थ जीवन की अमूल्य धरोहर बनेगा।'उन्होंने कहा कि धरती को हरा-भरा और पर्यावरण को सुरक्षित रखने के संकल्प को जन-अभियान का स्वरूप देना समय की आवश्यकता है। आत्मीयता और सम्मान से परिपूर्ण इस गरिमामय अवसर पर झाँसी के महापौर बिहारी लाल आर्य, विधायक रवि शर्मा, विधायक राजीव सिंह पारीछा, रामतीर्थ सिंघल एमएलसी, एमएलसी प्रतिनिधि रमाआरपी निरंजन ,दर्जा प्राप्त राज्यमंत्री जमुना प्रसाद कुशवाहा,किसान मोर्चा राष्ट्रीय मंत्री रामनरेश तिवारी,झाँसी प्रभारी संतविलास शिवहरे,भाजपा महानगर जिलाध्यक्ष सुधीर सिंह,भाजपा ज़िलाध्यक्ष प्रदीप पटेल,भाजपा पूर्व जिलाध्यक्ष हेमंत परिहार, मुकेश मिश्रा, प्रदीप सरावगी, संजीव श्रृंगीऋषि, कुलदीप सिंह सदस्य पिछड़ा वर्ग आयोग, भाजपा वरिष्ठ नेता अर्पित महाराज,तिलक यादव, दुष्यंत चतुर्वेदी, अभिषेक जैन , संतोष साहू व्यापारी नेता, डॉ. प्रमोद गुप्ता अध्यक्ष आईएमए, डॉ. बी.के. गुप्ता 'परख', रजनी गुप्ता, संतराम पेंटर, बंटू मिश्रा, रामकुमार लोहिया, जीतू शिवहरे, महेन्द्र दीवान, राजेन्द्र अग्रवाल 'रज्जू भैया', सुनील बिलैया 'बब्बल', देवेन्द्र गुप्ता (क्रेशर वाले), बैदेही शरण सरावगी, राजेन्द्र पटवारी, गोपाल अमर अध्यक्ष गहोई गौरव, निहारिका गेड़ा, पायल, प्रियांशी, देवांश गेड़ा, भरत सेठ, सूर्यांश गेड़ा, देवेन्द्र नगरिया, सुभाष खर्द, अशोक अग्रवाल (पीएनबी), सुजीत अग्रवाल, हेमंत खंताल चिरगाँव, विजय साहू, उमाशंकर राय, जय सहगल, नवीन श्रीवास्तव, विशाल ठाकुर, एच.एन. शर्मा, देवेन्द्र राय जिला उपाध्यक्ष किसान मोर्चा, आशीष गुप्ता महामंत्री, राहुल तिवारी पार्षद, मनोज गुप्ता कोषाध्यक्ष, सतीश कुशवाहा, उमेश अग्रवाल, चौधरी फिरोज, एड. शशि प्रकाश, एड. शैलेन्द्र राय, डी.के. तिवारी, अनिल खरे, सतीश गुप्ता, आदर्श गुप्ता, शिवा यादव, रामतीर्थ सहित अनेक गणमान्यजन उपस्थित रहे।

उपमुख्यमंत्री श्री मौर्य के शुभागमन ने इस आत्मीय मिलन को एक स्मरणीय अवसर में परिवर्तित कर दिया। स्वागत की भारतीय परंपरा, बुन्देलखण्ड के गौरव और पर्यावरण संरक्षण के संदेश से अनुप्राणित यह आयोजन उपस्थित जनों के लिए विशेष अनुभूति का क्षण बना।कार्यक्रम के अंत में राकेश गेड़ा एवं संजय गेड़ा ने माननीय उपमुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य के प्रति उनके आत्मीय सान्निध्य और प्रेरक संदेश के लिए कृतज्ञता व्यक्त करते हुए सभी जनप्रतिनिधियों, पदाधिकारियों, अतिथियों एवं गणमान्यजनों का हृदय से आभार ज्ञापित किया।

ओम नारायण त्रिपाठी विदित द्वारा शरबत वितरण कार्यक्रम का आयोजन

(यंग भारत न्यूज)

झाँसी। भीषण गर्मी एवं तेज धूप से आमजन को राहत प्रदान करने के उद्देश्य से आज समाजवादी पार्टी के तत्वावधान में प्रातः 11 बजे पुराने आरटीओ कार्यालय के पास शरबत वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में राहगीरों, श्रमिकों, वाहन चालकों एवं आम नागरिकों को शीतल शरबत वितरित कर जनसेवा का संदेश दिया गया।

इस अवसर पर ओम नारायण त्रिपाठी विदित ने कहा कि समाजवादी विचारधारा हमेशा गरीब, मजदूर, किसान एवं जरूरतमंद लोगों की सेवा के लिए समर्पित रही है। बढ़ती गर्मी को देखते हुए आम जनता को राहत पहुँचाने के लिए यह कार्यक्रम आयोजित किया गया। पार्टी आगे भी जनहित के कार्यों को निरंतर जारी रखेगी। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से आमिर खान मन्नी, राजन चंदेल, अशोक गौर, प्रियांशु गुप्ता, मुस्ताक़, अशोक श्रीवास, इमरान अली राजू,शाहिद बेग, जन्मेजय सिंह, प्रदीप परिहार, उमेश यादव , आशीष श्रीवास्तव, नीलेश श्रीवास, गौरव सिंह, अर्जुन यादव , मन्नी कश्यप,सहित समाजवादी पार्टी के अनेक कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे। अंत में सभी उपस्थित साथियों ने जनसेवा के ऐसे कार्यक्रमों को आगे भी जारी रखने का संकल्प लिया।

महंत पर लगाया 78 लाख रुपए हड़प कर झूठी शिकायत करने का आरोप

(यंग भारत न्यूज)

झांसी। झांसी कानपुर राजमार्ग स्थित बेशकीमती जमीन की बिक्री का झांसा देकर एक महंत ने जमीन कारोबारियों से अलग अलग किस्तों में 78 लाख रुपए लेकर रजिस्ट्री नहीं करते हुए पैसे हड़प कर लिए। ऐसा आरोप लगाते हुए जमीन कारोबारियों ने पुलिस ओर प्रशासनिक अधिकारियों से निष्पक्ष जांच कर कार्यवाही की मांग की है।

शहर कोतवाली क्षेत्र के पंचवटी कॉलोनी निवासी श्रीमती अंजली पांडे, श्रीमती शालिनी पांडे, दिलीप पांडे, नत्थू कुशवाहा, एडवोकेट रिजवान ने उत्तर प्रदेश सरकार सहित पुलिस, प्रशासनिक अधिकारियों को शिकायती पत्र देते हुए बताया कि अयोध्या स्थित एक धाम के महंत से उन्होंने बाबा का अटा स्थित भूमि क्रय की थी। जिसके एवज में महंत ने श्रीमती अंजली पांडे से 7 सात लाख, श्रीमती शालिनी पांडे से पांच लाख, कुद्दुश खान से 20 लाख, दिलीप पांडे से 21 लाख, नत्थू कुशवाहा 15 लाख रुपए ऑन लाइन अलग अलग समय अपने विभिन्न बैंक अकाउंट में ले लिया। काफी समय गुजरने के बाद कई बार महंत को जमीन की रजिस्ट्री करने के लिए कहा गया तो वह आना कानी करते रहे। उन्होंने बताया कि महंत ने जमीन बेचने के नाम पर उनके साथ धोखाधड़ी करते हुए रुपए हड़प कर लिए और अब खुद को बचाने के लिए झूठी शिकायत कर प्रशासन को गुमराह कर रहे है। दिए गए शिकायती पत्र के माध्यम से पीड़ितों ने निष्पक्ष कार्यवाही कर न्याय दिलाने की मांग की है।

स्वयं सहायता समूहों द्वारा निर्मित पशु आहार को खरीदें जिससे दीदियों की आय में वृद्धि हो

(यंग भारत न्यूज)

झांसी। उप मुख्यमंत्री, उ0प्र0 श्री केशव प्रसाद मौर्य जी की अध्यक्षता में जनपद के विभागीय अधिकारियों के साथ सर्किट हाउस सभागार में बैठक आयोजित की गयी। उन्होंने कहा कि स्वयं सहायता समूहों द्वारा निर्मित पशु आहार को बलिनी समूह प्राथमिकता प्रदान करे, और अमृत वाटिका एवं अमृत सरोवरों पर सघन वृक्षारोपण कराएं,

उन्होंने कहा कि समूह में बड़ी ताक़त है विशेष रूप से महिला समूह की ताकत को और बढ़ाना है, उन्होंने सुझाव दिया की ऐसे महिला समूह जो खाद्यपदार्थ बनाने अथवा फूड प्रोसेसिंग का कार्य कर रहे हैं उन्हें सोलर पैनल लगाये जाने हेतु प्रेरित करें ताकि विद्युत खर्च को कम किया जा सके। उन्होंने बताया कि सोलर पैनल लगाने से सरकार द्वारा छूट दी जा रही है। जिसका लाभ अधिक से अधिक महिलाओं को मिलना चाहिए। समीक्षा बैठक में ग्रामीण अभियंत्रण विभाग के कार्यों की समीक्षा करते हुए मा0 उप मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि सड़कों का निर्माण कार्य गुणवत्तायुक्त कराएं। मा0 उप मुख्यमंत्री ने सर्किट हाउस सभागार में समीक्षा करते हुए कहा प्रधानमंत्री आवास योजना/ मुख्यमंत्री आवास योजना का अधिकाधिक लाभ दिया जाये उन्होंने दिव्यांगजनों को प्राथमिकता के आधार पर योजना अंतर्गत लाभान्वित किए जाने के निर्देश दिए। बैठक में एमएलसी रामतीर्थ सिंघल, जिलाध्यक्ष महानगर सुधीर सिंह, जिलाध्यक्ष प्रदीप पटेल, संयुक्त विकास आयुक्त सुरेश चन्द्र केशरवानी, परियोजना निदेशक राजेश कुमार उपायुक्त मनरेगा शिखर श्रीवास्तव, उपायुक्त स्वतः रोजगार सुनील सिंह अधिशाषी अभियंता ग्रामीण अभियंत्रण सहित अन्य सम्बन्धित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

- बलिनी समूह अपने केंद्रों पर बढ़ावा दें :- उप मुख्यमंत्री
- प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ अधिक से अधिक पात्र लोगों को दिलाएं
- अमृत वाटिका /सरोवरों पर कराएं सघन वृक्षारोपण

बाबा का अटा भूमि विवादः रजिस्ट्री न करने का आरोप, मुख्यमंत्री से उच्चस्तरीय जांच की मांग

(यंग भारत न्यूज)

झाँसी। बड़ागांव गेट बाहर बाबा का अटा क्षेत्र स्थित बहुमूल्य भूमि को लेकर विवाद अब गंभीर रूप ले चुका है। वर्षों से चल रहे इस मामले में अब खरीदारों ने अयोध्या स्थित बावन मंदिर के महंत वैदेही वल्लभ शरण महाराज पर भूमि विक्रय के नाम पर करोड़ों रुपये लेने के बावजूद रजिस्ट्री न करने, बनाने विश्वासघात करने तथा झूठे मुकदमों के माध्यम से दबाव का आरोप लगाते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से निष्पक्ष एवं उच्चस्तरीय जांच की मांग की है। वहीं दूसरी ओर महंत ने भी पुलिस को प्रार्थना-पत्र देकर आरोप लगाए हैं। मुख्यमंत्री को भेजे गए शिकायती पत्र में नत्थू कुशवाहा, दिलीप पांडे एवं जैद रिजवान मंसूरी सहित अन्य पीड़ितों ने आरोप लगाया है कि महंत वैदेही वल्लभ शरण ने बड़ागांव गेट बाहर स्थित भूमि बेचने का प्रस्ताव दिया था। आपसी के विश्वास और धार्मिक आस्था के कारण उन्होंने महंत के बताए गए विभिन्न बैंक खातों में समय-समय पर बड़ी धनराशि जमा बते कराई तथा कई बार नकद भुगतान भी किया। शिकायत के डी अनुसार, श्रीमती अंजली पांडे ने 7 लाख रुपये, श्रीमती शालिनी पांडे ने 5 लाख रुपये, कुद्दूस खान ने 20 लाख रुपये, दिलीप वे पांडे ने अतिरिक्त 21 लाख रुपये, नत्थू कुशवाहा ने 15 लाख रुपये तथा आशीष हजेला ने 5 लाख रुपये सहित अन्य लोगों ने भी भूमि खरीदने के लिए लाखों-करोड़ों रुपये अदा किए। आरोप है कि भुगतान के बाद महंत ने खरीदारों को भूमि का समतलीकरण कराने के निर्देश दिए। शिकायतकताओं का कहना है कि उस समय भूमि गड्ढों एवं तालाब जैसी स्थिति में थी। उन्होंने अपने निजी संसाधनों से लगभग 40 लाख रुपये खर्च कर भूमि का समतलीकरण कराया, ट्रैक्टर एवं मशीनों से भराई कराई तथा आने-जाने के लिए सड़क का भी निर्माण कराया। उनका दावा है कि इन कार्यों के बाद भूमि पूरी तरह विकसित एवं उपयोग योग्य हो गई। पीड़ितों का आरोप है कि भूमि विकसित होने के बाद महंत ने रजिस्ट्री करने से इंकार करना शुरू कर दिया। उनका कहना है कि कई वर्षों से वे लगातार रजिस्ट्री कराने के लिए अनुरोध करते रहे, लेकिन हर बार अलग-अलग बहाने बनाकर मामला टाल दिया गया और आज तक किसी भी खरीदार के पक्ष में विधिवत विक्रय विलेख निष्पादित नहीं किया गया। शिकायतकताओं ने आरोप लगाया है कि 3 जुलाई को महंत ने स्वयं को बचाने तथा खरीदारों पर दबाव बनाने के उद्देश्य से पुलिस को एक शिकायत देकर उनके विरुद्ध झूठा मुकदमा दर्ज कराने का प्रयास किया। उनका कहना है कि लगाए गए आरोप पूरी तरह असत्य एवं मनगढ़त हैं और उनका उद्देश्य वास्तविक भूमि विवाद से ध्यान हटाना है। यह शिकायत केवल उन्हें डराने और उनके वैध दावों को कमजोर करने के उद्देश्य से की गई है। उनका दावा है कि उन्होंने जीवनभर की कमाई भूमि खरीदने में लगा दी, लेकिन न तो उन्हें जमीन की रजिस्ट्री मिली और न ही उनकी रकम वापस की गई। शिकायतकताओं ने मुख्यमंत्री से यह भी मांग की है कि महंत की अयोध्या, झांसी, लखनऊ, रक्सा, सिजवा सहित अन्य स्थानों पर स्थित कथित अचल संपत्तियों, होटलों एवं अन्य संपत्तियों की सक्षम एजेंसियों से जांच कराई जाए। साथ ही यह भी पता लगाया जाए कि संबंधित भूमि से जुड़े सभी लेन-देन वैधानिक रूप से हुए हैं या नहीं। यदि जांच में कोई अनियमितता सामने आती है तो दोषियों के विरुद्ध कठोर कानूनी कार्रवाई की जाए। इस पूरे मामले ने झांसी में भूमि कारोबार को लेकर कई सवाल खड़े कर दिए हैं। अब सभी की निगाहें प्रशासन और शासन की कार्रवाई पर टिकी हैं कि जांच में क्या तथ्य सामने आते हैं और पीड़ितों को न्याय कब तक मिल पाता है।

मालिक.मुद्रक, प्रकाशक, संपादक संजय श्रीवास्तव द्वारा सेलेक्ट ऑफसेट पता 17, सरकपुर सरैया, छठामील, बी०के०टी० लखनऊ उ0प्र0.226201, लखनऊ से मुद्रित एवं 20 कृष्णा नगर उरई जालौन से प्रकाशित प्रधान संपादक संजय श्रीवास्तव फोन न. +919415055318
(पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन हेतु जिमेदार सभी विवादों का न्याय क्षेत्र उरई जालौन न्यायालय के अधीन होगा। निदेशक अनिल शर्मा, प्रबंध संपादक इं० शिवम श्रीवास्तव RNI NO UPHIN/2011/39718